TECHE
UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4345**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

॥ए६०॥ दूहा॥ सरसतिमतिनमीकरी॥ प्रणमुंसद्गुरुपाय॥ विघनविडारणसुषकरण॥ परसिधपदन्यपाय॥२॥
समरुंगोडीपासजी॥ मुझआतमआधार॥ सामाइककउपरिसरस॥ कहिसकथासुषकार॥३॥ सामाइकसू
धीकरो॥ त्रिकरणसुद्धत्रिकाल॥ सत्रुमित्रसमचतगिणी॥ छिमऊटेकमजाल॥४॥ मरुदेवीसरषादि मुनि
॥ करसामाइकसार॥ केवलकमलातिणवरी॥ पाम्यालवनोपार॥५॥ सामाइकमनसुधिकरी॥ पामीगं
मपविश्राति॥ णकपरिउदेसांभलो॥ चंदलेदचरित्र॥६॥ वचनकलानिद्धवीनठो॥ सरससंबंधरसाल॥ ति
णकाणुंसमकपरूप्या॥ सांभलतांडुसीयाल॥६॥ हाल॥सीमंधरिकरिज्योमया॥ मलीयाचलपर
वतसलो॥ ऊंचोअतिअसमांन॥ दक्षिणदिसिअ तिदीपतो॥ लांबोनलजोरमांन॥२॥मय॥ ऊंचा
दुंकअतेघणा॥ कातीकोरणजांण॥ नीझरणावहे ॥ झरिरह्या॥ गुफाइतणोनहीप्रमांन॥३॥मय चंद
नतरुवरविहुंदिसे॥ मोरलाअतिमहकंत॥ सोगीपरिमलजोगीया॥ लोकाअतिलहकंत॥४॥मयनार
थेदारमनम्युंतो॥ सुरगतिरमवारठांम॥ नवमधाकोतिकअधिघणा॥ जोसांअतिअसिरांम॥५॥मय
किहांकणिहीवेरअपछरा॥ गोरीगावतीगीत॥ किहांकिणमिलीअविद्याधरी॥ सुंदीरमेधरिप्री
तमय॥ किहांकणिमिलीयारव्यंतरा॥ कालाकाबरकेस॥ किरलीकरिकरिहरमतारमतावा
लेरवेस॥६॥मय॥ सरवरसरुवरआअमे॥ छोगीडोपेजगदीस॥ तसमंकितलनसोहतो॥ जट
मुगटधरिसीस॥७॥मय॥ किहांकणिसरवरसोहतो॥ तरवरमेझिलपाल॥ सरसाविहुंदिसिनि
लसजो॥ झीलेजुगलमराल॥८॥मय॥ एकणिसरवरकपरे॥ रूंपसघरसहकार॥ कीजेजुगलतिहां

1

कणिरहे॥करताकेलिम्रपार॥लमनकितलेकालगयातिाहो।विद्याधरगुणधंम।कीरङ्गगलेति
णसंग्रहो॥कनकपंकरलेधरंमरश्मणमनः।कलमारगचालमां॥मांकमांणसषमहकेनरस्त
षावोलेत।नीसुकवेधणमेपकेरश्मण॥जापसषरफलपकजे॥आगेसुकेरेनिम्र॥मयणम
हरिकोरेमदी॥चत्रुरनेलामोरेवि।न्नं॥११मण।विद्याधरवडलीकला॥सीबाईसुककाज॥
ष्याकादिममादेमेषया॥निन्नणजगलेसुकराक॥१२मण॥षटनाषाजाणेतेषरी॥षटदरस
णमलहेतेह॥काव्यकवितवंददूहला॥गाहागूढाकदेह१३मण॥सांभलिसुकडागवाग्वरी।दएष
षमपतिकीवाडिहांझासेनिहांसाषले।महीयलफिरइरेसदीमधमणहूला॥षेचरइकदिम
धांतिसुतीरषतेटणकाज॥मेरसिषरनंदीसरेजाइकल्याणेनराऊ॥१॥अष्टापदसेत्रुंजइ
गरि॥वणमाजिमवरपायकावसगासुजारहो।तिहांदीवहमुनिरायं॥२दई तीनप्रदक्षि
णा।तिकरणसुद्धवणामकसोमुनिआगइकहेहो॥धरमसुणाबास्वामि॥३काउसगामुनि
२ पारंसंतलाबोलहपदस॥अनित्यपणोदषाडीयो।नित्यनदीलवलेस॥४॥सांभलिसद्
गुरदेसना॥श्रावकनावतबार॥षेचरयुकसुखसंयरया।जिनधीकनिस्तार॥५॥श्रुनिसिंप
देसगुकीया॥सुयमोसुयनीवेइ॥गुरवांदीघरिआवीयो।षेचरहरषधरेइ॥६॥श्रावक
नाव्रतपालिनेचारमसुरश्रवतार।महाविदेहेपामिसोसंयमलेसवपार॥७सर्वगाथा७७॥
ढालश॥अलवेलोहालोहलषकेहोवारीहरबवीलीद्याबेसानअलवेण॥सुयमोसुयनी

श्रीयाहोमलीयावलमनरंग॥तेसरवरतरुवरनदी॥अतिआणंदहोहूआवेवेजंश्रंग॥॥दिवसुणिज्योजेत्र २
गेजवइहो॥पतोकौतिकवालीछैनवलीवातदिवणआंकणी॥सुषयरहेसरतरुवरहोरमणाविवधपक्
र॥अनुक्रमिजाणीयासुयनी॥छत्रपोषीहोहूओहीयहेरषअपार॥२हिणमातपितासंगइहूओ
हो॥सकलकलातउज्ञाण॥वनफलपाकालेइनइ॥उत्रपंकइहोमामाडी॥आगइओलि॥३हिण॥इ
मरहितावनमहसुषहो॥इगटीपापनीरहा।मननागइसुकराजनो॥संजोगीहोहूआविजोगीनेह
धहिण॥सुआहं।सुवीलडनदीहो।वेमेनदीवलिपास॥नयाणलिरषीनइवले।मनमांहेहोसुआ
गेरही॥विमासधहिणसूआंहीकहीकिहांषकीहो॥आंणीवीडीनारि॥सांभ्हीवइसीरु षमइबोले
पलइहोतिणसेतीवारोवार॥इहिणसूअनीदषीचिंतवेहो॥कांकरइपीतमएम।विणहत्या विण
होसहे॥ससनेहाहोमिसनेहोषायेकेमणहिवय॥यतः॥पमविणकाकीहोदतो।नदनफाजीयडं
ण॥अयवकधोउलटीमई॥पांणतुंडीमइहांण।॥सूअनीमनमचिंतावसीजोडकणनमिलत
॥मुहलायेविसहरतणे।पयहलाहलेकत॥॥वांकोकांमुफवालहोहो।कोइनविणवोकाकु
पहिलीकेपीडमेहतो।सहीसतीहोसमनेहोनही।तेआजणहिणयतः॥अहमनउह्पषमुदरव
स॥उदहिनवणकातंआड॥उवेवानान्नणदिनगईकइइनदइउदयराज॥४॥विणहआवण
सीमंदिरो॥वाधइमनविषवाधमालवतानविनीपजइ॥षमरूपीजिङगमाल्परसाद१०हिण्यु
तःसजनसथ्यफंआपणो।मनइमकीजैरोसबसाहीघरअपणो।इबीडोगुणदोइस॥१इमवि
+ हो॥दिषिविरुपकवात।साईरोनेसोवालहो।किणपापीरोघालीउरअणीहेघातकि॥८॥यतः।मनणहांलगीअप ६

तथिआईकरइ थे॥ २ भलत्र हैं जिकंदृ०॥ स्त्रअहीदर्थी अनोपिरवडइवडदेनारीनइवेई इव॥ ११ ठिव० स्त्रअहीप
दइ सुण कंतडी हो। कां करतइ वकतरोस॥ गुनह जिको ईमइं कीयो तेहा पोहो ओमोदे पाई दोस॥ १२ ठिव सुण०॥
मीरफररइ कोइ नयण फेदो॥ बोलइ गदरबइंण॥ नह किसं किसं बोल ना इवबला दोदी थाडे मुझनइ सइ
ण॥ १३ ठि०॥ वेषमत्ता थईनइ षमो रा। डेलो लो मुझ धुका॥ सो तन लहिस्यो स्वामजी। निराधारी हो ज्ञातां ना
रीमइ मुकि आ थइ ठि०॥ ३ पीतम ते वालहो हो। ३ मा दरइ तर मार॥ ३ परमेसर हृंथली। मे कीधउ हो तो सुं
कतार १४ ठि०॥ यतः इंदी मां दिढुआ कालि डुआ हो। इंदी मां दिढो सासा। हीयमो कालीकं मइंयु। बीयो नम
लइ पास॥ १५ हांजी वउ नां हू सिमिलो। का सुं रोस कीया हा। होसी घणो अबोलणो॥ लोबइ पंषबीया दा। रतो।
विण सोसममा हरी देओ वो विन्न विचारि। षषप सारीनइ कडो। निराधारी हो मुं कोमां अबला नारि॥ १६ ठि०य
तः जे कि मुवभाई तो चवे॥ तां स वे सिणगार॥ ता कल रूपय दम्म णी। ओ मा प्रिसरतार॥ दूहा इमविलवंती दीपि
नइ सू अमे बोलइ ओ मपरही जाउ पापणी। तो सुं नदो को इकाम॥ १७ मइ मुं की माहरी दिसा। जिलाबइ ति
हां जाउ॥ मन कोन मिलइ तो थकी॥ मुझ आगइ मति आउ॥ १८ यतः मो मन मांणि कदे सपी साणो न मिले चित्रा जे
मन कुं वनक्को ऊबइ तो ताजिय जाक चित्र। मनसाणमोती तम्या। रतने आई रमा। सो मारस्या रे दी थेमनरेद
या न ज्ञाम॥ १९ दुक मत्तो मी पीत मी सत्रमो कारूइ नर तार जो मण कको ना ड्डा मइ॥ तो मण कुं संसार २०॥ सा
तेईओ न विगमुं तो सुत आपइ सुकंजे। जे मन दट की शषि सुं छ शब्द वउ नित जठथा स्त्रीन इसुषल रतार
नो॥ के सुतनो आधार॥ एसुत आधलाकमी॥ मुझ नेव इस्मरता रपमध०॥ ढाल ३ मेरी बहिनी कहि को ईअवरि

रा

२

ढंबतरूनी॥ सुकरा ऊसोसलिवारता। विरचीयो बोलेइ बइणा। कोधइ करि मन्नदी थो रानाकरि दो इनइंण १ सुण
इस्त्र अमी सुतनी मक्करे आस॥ एसुत माहरइ पासा रहि नीजो घटसास। वाउली मकरे वेपास सुणि० टेक निर
गुणी नारि मिलडूणी॥ धवी निलज्ज अनिहइण वम पीज्जा वंतरी आंघा धकीजं अदीठ॥ २ सुप सुत मां हिकहि
ता हरो किसुं॥ सुतवां मले इवंयू ३॥ जा पति लो फइ ओपणी॥ ता जाइ सा वकी जठि ३ सुण बेटो कदी जेवा
पनथ। सजे लोक आप इसाथ॥ न्याय कीया आवइ नहीं अलचा बोलम आ पध सुण माइनी सगपण को नहीं
मरूरणी समनारि। कलह करइ कां कूतरी। विमवी रांक वे कार प सुण सु अटी सुणि सुक वारतामन मइ रूइ
इ हरां मा। हि वपा बाकूनर कहइ सुं सनकी जकसां न। दसुणि रे सूषना उ त्रमा हरो निरधार सरूसा षीसं
सारमूर षफ प्व ममारिविणठा विकलवेका रसुण टेकमीन तीकर वां मा हरी पापी थे पा मी लाकृ गा नाक
लली यापची। कि सोइ विना इकक्का ओ॥ ७ सुण॥ उ अपदृ मइ गर सइ धस्यो का लिंडन मीया मे ओइ पर्ल्ली
समी इ की थो ता द रा सुत किम दो इ ०सुण कातीयो ते इमो सूत कदी यो जाइ यो ते इ नो सूत ओ पाणी आ
गेनूते रसु वकमही जसमसन कॉवादइ नकी पइ वाप माइण वाद नहीं थ सवाद इ ण वा वइ न्याय इ करी सहीय उ ता
रस ना दश सुण पकमूरि ष नइ को पइ चुठी प ब ली या सरूज पा नि ए क मुकंटा पाणी थे पठे केद ग
मइपा न॥ १ सुण इ णवयण प उ जमा का णी आष्पान आ इ ला कुते ना द रा पइ दा की या गुणलकृणसरू
आ कॉ॥ १२ सु० यतः जे इनाको दा आ चरणतेह नाते हा सइण जे इ नाजे हा मातना ते इ नातदा वइण १३
नः ऊलउ द जो वन उ इ इ उ इ इ सन धन राज्ञा सूरन उ इ इ जी बता न यण ऊ दी ला ऊ एत लो त म फे ऊ

३

मलह॥ कुंनंदीतीहरसार॥वादइपरापाधानसं॥चलिजासुंदरघार॥३सुं॰इहांन्यायनकूंके आंपणी पुत्री स्तुति
एहाल॥ मतिकुसलकहइसांभली॥ आगइबइबकुण्या छाधसुण॥इहां॥ बालइसुकहिवचीतरी जाईकीकुं
न्यायनरसुंकोजामदीसरज्ञे मोमोघणी अन्याय॥मलीयाचलघीकुमीयासुतनइलेइसंगकंचनपुरतेआ
वीयाकरतामोटोकंगर॥ न्याईविरुद्दबोल्यामनोडलतिनामनरिंदसता विलोकीतिहमी मिलीयाछेन
रहंइ॥कीरकुमालआवीकरीनरसाषाघालतां॥बइसीचंपकसंघपरिमरयतिफिरजीवगतधगालागी
तकवतकहइकीरहतवानरंदकरि प्रणांमआसीसदइ॥वनपोजारविचंद॥यविकटकाव्यबंदइ
करीसुअकीदआसीसदिनदिनकोमेकल्याणहोकइतनमावीसीस॥इघकितरहीसारीसभाराय्स्तु
श्रोहइरांन॥सुरनरघंषीकवणएएवचनविन्यान॥७आदरदीधोअतिघणी॥ आवीवइसोहाथमे
तिवाके मुक्रवोहलइवानकरोमोसाघ॥८॥किहांसीप्यावासोकिहांकिमआयाकिणकाजतोसाथ
एकोणइसाचककहोसुकराज॥९सठ४॥ ढालधईनरआवाआबिलीरएहनी॥ करिप्रणांमसु
कबोलीयोरि॥ सांभलउश्रीमहाराजाइरयकीअमे आविनइरे॥प्रणम्यातादरापाय॥ नरेसर
करिहोवदिलोन्याय॥रकुइरमकरिकीकाय॥किमएकगमोमिटिकाय्म॥सजकोनइआवइहाय॥
गुणीमनलइगीतगाय्म॥कामइक्योताक्तसघाय॥कुंकहिसुनवषंमधान्अनाे॥आंकणी॥मलीया
घलवसताअमेरे॥कीरकुमालमनरंग॥ताघासकुसीषीतलीरे॥विद्याधरनइसंग॥१नं॰॥मुनिकहीय
इमोसुंमुंकीयारे॥आयामूलगीवांम॥मअमीतिहांसुतकाइआरेसोसुतएजोघोस्वांमरन॰मुनिक

ताणेमाहरे॥नारिसुंरे॥ एकइइमाहराजात॥ कुंकबेटोमादरोरेएकगमानीवात॥अवएनारीनइमाहरीरेआव्याइहां
इणकाजबेटोमानोकहवापनोरेन्यायकरोमहाराजपन॰राजप्रज्ञांसरुसाषीथोरिमइमाहरुजेविरतंत॥सुतहो
तुंसमलेफिरयोरेउकगुणगावुंसत॥घन॰॥तवसुषबोलीस्त्रवटीरिपांघसेतीकरिलाज॥न्यायविचारीनइकरो
एवातमइंवांकनइराज॥३न॰घकितरहीसारीसभारेविसमइवालीवातपंच्यांकगमोनविसुण्यारेनर
कगमोविष्यातछनि॰विणादासिमुकनइतजीरिआणीबीजीनारिवुत्रपिणसोसइपापीथोरेसजुघइसरतारएन
॰सुत्रघासीवलिपदमेरे॥कुंनिधरोधारीनारिमइकायोमइपालीथोरि॥माहरइएआधारणन॰सुत्रकदीजे
मातानोरेसाविदीयइसहकोइ॥पांषपसारीनइकर्कोरेअबलासांम्होजोइ॥४न॰॥ एवलितीजीआतिस
हरेवरमांनारिहजारनारीहांमीकावधीरचरहकएकोवारा५न॰पटनुविदेषाफिनेरमइसगलीकहीवात
सुतआयोसुषघाइसरिमहीतरअगसंघात॥६न॰वातसुणीस्त्रवटीतणीरेसरूएरुआदिलगीरकर
इएअबलास्वांमजीरिसरुकबोल्यातवकीराधन॰कहेकिसीकइंजनदीर॥ज्योज्योहीयफइवि
चार॥सुकुसकवेकुगताहरजेरतिमकरिज्यो॥निरधाराघन॰॥इहां॥रायकहइसुणस्त्रवटामतिमन
कुवइअधीरइलांआव्यांविवरीकुवइषीरनीरकोकीरमनमइइरघ्योस्त्रवटोनाधीमनरारा
ग॥चितमइचमकीस्त्रवटीकूटोमादराअनगम॥राम्यावालाव्यामंत्रवीबाल्योकरिपरणाम॥निरमल
न्यायकरोजादकिमबांधइजगमांमइ॥मंत्रीसरमनचिंतवइएअबलाकदिवायरोयनणीरुषकी
रसुं॥तिणमोन्यायनघाय॥४॥सविवकदेस्वांमीसुणोग्पांनीगमिएवातबुधिअकलकरमाघतइ 4

स्वामी पमकरातयसमणा समथ॥ कुमरी वीनावइरूवको पहनी॥ रायकुप्पीकदइवारता सांभलि मंत्रप्रधांनो
रसरल्यो माइण उंफरू श्री सकु अगिइउकसां नोरे॥३॥ राय कहे सकु सांभलो मतिसागरउकनां मोरे नां मत
णीतइपापीयासलीयगमाइ मीमोरे४ रा०६ इणबुधिइणश्र कलंकरी॥ किमवलसीएराजीरे न्यायन
वायइ एतलो अवसरं श्राजीरा॥७रा०॥ तववलतो सुकावालीश्रो सांभलिउ मायबापो र सिंमुष
न्यायकरी दिवइ॥ मनमांनइ सुश्रापोरे॥५रा०॥ राजनीतमहाराजए॥ परनइ कानसलाबरा॥
श्रासांणोरेकरुं श्रनिवेमोपलक मइ॥ नृपकहइ सुणइ सुजाणउरे॥६रा०॥ गरबचदो
गइपतिकहइ श्रायो श्राकमालारा॥९राइ समारीक रसमी बीजुवावइ ततकालोरे॥१०रा०॥ पाकइ
षंमनपडइ धणी लेइ कोठे घालीरे॥ सकुएजाणइ वात मीधरनइ कोइन श्रालइरे॥११रा०॥ धरती
॥१२रा०॥ राजनीतजोइ करी॥ श्रमे कीयो एन्यायोरे श्रन्याय नचालइ लोकणे सुकनइ सुतदी
योरायोरे१२रा० रामचंद हरचंद जे॥ विरुद धरीउकन्याइरे॥ विरचतपोउ सुककदइ श्रम्हरी धोरा
दइतुकाइरा॥१३रा०॥ सूवटी प्रतिसूवटउकहइ धूजिपमीसु षउकोरे॥ लेश्र गवउ सुतनाणी मृषा
वादकीयो मुजोरे॥१४रा०॥ न्यायनकीजै एहवउ पाल्यो मंत्रप्रधानरे॥ फिरिकोप वंठा त्योध
णीसावीनठलइ जोणीरे१३रा०॥ करिश्रणां मश्रासीसाद॥ सूकउ फिगयोले वालोरे॥ उत्रमने

इइसूवटी॥ धरणइलीनतकालोरे॥१४रा० वायसचेतनपांमि नइलांबी मुंकी धाहोरे कदइ वइरी किणनवत णोमिल
यउमुफनइ नाहोरे॥१५रा०॥ इहा॥ स्त्रश्रीकदइ फिटपापीया फिटनिरदइ निलजु॥ मीवश्रन्याय कीयो घकांकि
मचजसी उफरजु॥१॥ जं श्रवला एकाकिनी जं निधराधारी ...नारि एहत्या सिरताहरइ श्राईमूहगमार॥२॥ श्रघवा
दोसनताहरउ॥ मुफ रूउउकरतारा दिनफिरीयइ सइकोफिरइ॥ इम श्राषइ संसार॥३॥ दावपडइ पासइ जिको
पडीवदइ सुन्याय वचन एक श्रवधारिइ॥ किम श्रावइ सकुदाय॥४॥ इफतरन्याय लिषाय उं कुकमकरीम
हाराजसंवतमा सदिवसादवलेपरसीकाज॥५॥ मुंहतइमो मोकुकम ...षीवीतकसकुविरतंत॥ सूवटीक
रीघातमीदिवसांनलिइयो संत॥६॥ सा॥१०॥ ढालइ नदीकुमुमाकहतीर मुनइ दोइपंषीया पहनी॥ षीकश्रन
इवलिउत्र रहित एकाकिनी॥ दिषुउमा मीउठरोवइ तेपंषणी रायासंमासमाननयणश्रा सूफ रइ बावदी
याजिम पीक२ मुषकुचरइ। नादें ...रोसोकुंदिलमइ नाहरउ श्रांणतीजेकदतो उवइणीं केमरइ सुषउउ
मनरीवातकदउ केहमइकहुं काउर सारीरीनकरीनइं वालहा॥ सालनलइ स्योलिगोरकजुउ कतइ
कहा॥२॥ कमाकपटीकठोरउरषकइ जगतमइं॥ तापकुचइ पराला कनरकते सातमइ॥ पेवमइ पामे
लाइउत्र पिणलेगयोहाधा कुपरि लूणमीनल्होदग यो॥४॥ कुडाणतीमनमांहिद्र दापी श्रावदीसुत
करसीतदि सेवली थइवदि सइसही॥ तगयोरउतीमिलिएकाकीमांफि कूवइहीमनश्राइ॥ कसीनए
काघमी॥५॥ महाराय श्रन्याय कीधउसरूादषतीनरदएबारश्रफार॥ बारषइ दिषता॥ लोकदासीघरि
हांणिघरीमाहरइमई॥ पइसुं धरणमफारविवराजादइदइ॥ इफिट... पापीहीयनफाटइइणस
२

मइं॥ वल्होतणाय विद्रोमा श्रजीडइउंधमझे॥ ऐपेकरमकवीरकीया पूरवकिकेलोगावउंदिवडीवउदइ आयातिके॥यतःदादी
यवरुघमिथ्या॥ श्रवाघकियंववक्रसारितंवल्र दवियउगसमए॥किनऊय स्वमचतुतः॥१॥ यथाधनुसदस्त्रेषुवत्सोवंदति
मातृरं॥ तथापूर्वकृतंकर्मकर्तारमनुगछति॥२॥ तथा। तेदिक्करमकवीरविचारउद्दिवदीया॥ जाइमरीतीदरवारमें
सकरेधावीथ्या सुखीथ्याथा तिणवार॥ तिर्कडपीयाकीयासाषीकरि सहलोकउमीगईपंषणीपकृतीमेउफनेदक्
हास्यो तिरथपणी॥ तामउदेहु ननाषसाथउफपाईम्यो॥ मझंथि स्करनिकृचिन्नवरणउक लाल्योलवस्ताहरावं
रणसरणमुफपाडझ्योपावनतादरोनांमदीथेमुफवाडझ्यो॥ असरणाकीयावारिषतकिनआगलेसू श्रटी
श्रणसणकीधउंचदतसावडलउ॥ कोधडवादविवादकीयातेषामीयासउमित्रनदीउफविचार मोजी
यारा॥ जूपती श्रीनवकारध्यांनकिनवरधरइ॥ आपणपोनिस्तारकालकरि॥ श्रवतरइ॥ कंचनपुरपर
सद्धिरिद्धिधनपुरजिसो॥ गदमंदिरपोलिसा तिवागइतिसो॥ वइरा॥ तिणउरासवअसडलतलाव
लीलसरतास्यंदनसारवंदनेसमझ॥ सकलोकासुषकार॥ दातामुगताबद्धगुणी॥ परस्त्रपगारीहो
ण॥ श्रावकनावृतपालता॥ धरतउसिरकिनआणि॥ सुधसमकितधरतसुघरणिरूप सीलगुणषाण
चंदसिरीचंदाननी॥ कोकिलवाणवषाण॥ ३॥ तेनीकुषइ अवतरी॥ सरणअन्नपसायउ तीवचंदनि
रषोसुपनइ रषीहीयकइमाथ॥ ॥ पुत्रीजाईप्रमसु॥ कनककंबकलकंतानीसदोइलक्षणसहिता
निरषीनयणवरंता॥ पसातपुत्रजपरिसुता॥ हरषातिणमनमांहि॥ सवइअतिसुषपामीया॥ सुत
फकामावइथांदा॥ दा॥ धमषरयामाकिनघुरा॥ गोरीगायागीता॥ दसकुणाकरिमामदइ॥ वंदलेराधरिधाता॥

श्रीसमवकोनरनारनोदेसनविचरनो॥ तासनकोमदरानातमपुफकर्मलोजिणकरमेकीयासमयसमलउश्रणवलिजिणकरस्याउजी॥ ३१॥

मद

मातमनोरथसाथतेथधइहुं चंपकवेल॥ दाथथकीदाथइरमडकरतीमयरकेलिमज॥ साउया दालउबूनमीनी
॥ श्रहोमातमनोरथइरियाषेलायडउत्रीगादर॥ विकंदाथकंचीकवालिनइ॥ हीयमडतीमोधरइमो
इरा॥ मनमोदाहमारउनेदमीमीकीमयणमकइमटकाररमन०टेक॥ श्रहोएकणमवणपरिहावदेवी
कीलिश्रावइसुस्करेहामवीकउजीमइहीयमेतिममातामामइसुस्कारेरमू०॥ श्रहोरतनकजितसलो
पालणइतिणपरिपोढावीवालोरे॥ हीलोमावइहीवालती॥ सपरइस्वरमइश्रसीयालरेरम०॥ श्रहो
जाएयांवलिघनपांनदइकं चूइपांणीचूवरावरिकाडलआंजीकरइचंदलउमतिवापलगोउफकाय
रेधम०॥ श्रहोचाटीगुंधिकमावकीगलिघाल्यामातीहाररेवलिसोवनमालोडगीपायघूघरीयां ६७
घमकारेरे॥ ५म०॥ श्रहोदोहावेचूनीमोथनी॥ विंदलीविराजइसालनदकेमोतीकांनेतलागीनघीरम
जनागीवालारइम०॥ श्रहोषिनीयकरेगदिश्रगुली॥ थिलषिलीकरकीडइदंतरमाडदाइदिमाइन
इमणमणेबोलेबोलंतार॥ ७म०॥ यतः गाहाणारसंमहिलाणविष्ठमंकुवीयणाइवयणाइ॥ कस्स
नहरंतिचित्तंबालानयमम्मणालावा॥ श्रहोकवदिकआमठमामिनइ॥ रीतेमनावेमायरेहा
कहायोछेवारनै॥ रावेतेहनइलेकायरे८म०॥ केसरीयोवागोपहिरणइ॥ सिरबांधइसारंगी
पागारमूथनपहिरावेसावदूमाइटीधरिश्रमनरंगारएम०॥ श्रहोथपदेवाधइराषमी॥ नूणउता
रइवारोवाररे॥ उफईनापीकाजीवमा॥ पहुतसमदइजाइ रम०१०॥ इमकरतांइमरहितांबको
सातवरसनीकइवालरे॥ सुतदिनसुसवेलासुसघमी॥ लेईआलइतेलेसालारे११म०॥ श्रहोहरष

6

घणउघणउछाहमइ पंडितवइसाणीपासरेसकलकलाइसी पाषेचुंपषीतेपिणसी षइछलासरे॥१४॥मनमो
॥ किमछावइसयणामंकनसुं। तिमआयान्याने विन्यानारअणुक्रमधोसावकलाग्रही पसायतण
कलङ्गांणरे॥१४॥म०मइकलासिषाईएहनइसरसतिसमकई वालरेपं डितसुषमातपिता तिदांस
नलिहस आगुसीयालरे॥१५॥म० अहीकनकरङ्गतमणमांणिकइदेइसंतोषोविषरा॥सरूपअला
गीनइसीषदइहरिष्योघरिआवइषिघरे॥१६॥म०दूहा॥ चंदवदनमृगलोचणी॥यामणपिकवेण
रूपइरतिमतिलारति॥तिरषवरइसङ्गंसेण॥१॥मातपितासङ्गंतातघीदसइरमइकरइष्याल॥गावे
वावइगुणकहइसङ्गंसुणिङ्गेसीयाल॥२॥सडीयांसाघपरवरी आवीगोषवयइसुककु
गवइघीवालती॥ चंद्रलेहतिहां दिह॥३॥ जातीसमरणपामीयोरवततवविरतंत॥ आदिअतलगिवा
लकारूयोतिमनिरषंत॥४॥पइणराजा अन्यायकरिमुकविणसाधोकाङ्गचंद्रलेह मुकहीमनो॥जोप
डुंनृपलाकु॥५॥वातराषिमननमइतिका आवकनाव्रतपार॥चंद्रलेहामनसुंलीयाइणघीमुकति
सतार॥६॥सामाइकसूधीकरइ॥ पूजइ श्रीजिनराय मनवचकामेकरवालकासीअलधरि
सुषदाय॥७॥दरपनसोकरककणइपरतीदीघानइण। तिणमनसुधनितधमकरिद्धिवआग
लिसुणोसेण॥८॥राजमकनइमोतीलाडूयो॥ चंद्रले
हामनमांहिविचारइ। किमकरिकामसमारु कोईदाघ्यउपायकरीनइ झानरषतिनादजतास
लाल॥१॥ अकलअमारीडयोडयोकांइतुधिहमारीदङ्गोपालअक०आकणी॥करसांसेती

अमल
कमल
अमध
वतवी
राजइ

सदाकरीङ्गीपापदोषनगिणीङ्गइइमचिंतवतांवुद्धिउपन्नी॥ कांमसरइङ्गोकोङ्गइलालअक०यतःधुन्नांकिङ्गेधुन्नमीआल
इकिङ्गइआल॥ मिन्नकिङ्गेमिन्नमीपमगमिङ्गेकाल॥गोपसकीकुवीगयगांमणि॥चुंपधरीचंद्रलेहामातपिता
नइपाएलागी॥ आंणीअधिकसनेहालालअक०बापेवेटीगोदवैसांणीहीयमासेतीलीमीहाघसुंमाथसमा
रीआपइ॥ मुंहमांदेषीमीलालधअक०करङ्गोमीनइबोलेवाला॥विकसितनयणविसाला॥मातपिता
ङ्गीसुवसनहोई॥ भ्रमनोरथमालालालपअ०॥सांसलिवेटीगुणमणिपेटी॥अम्हेवनांहरीवेटी॥मात
पिताकदेङ्गीवङ्गारीडेसांभरहयमेहसेटीलालदअ०॥ङ्गेतेमांगइलतेहिआपा॥दीलनकरिसांकाङ्गीचंदले
हाकहेदेसना॥आपोअम्हमंगाइलाल॥७अकल०॥चंदनसारकदइसुणिवेटी॥आपेवलिङ्गकदीङ्गं
॥वङ्गलाअम्हघीकांमनहीको॥षामइंपिमनरीङ्गोलालठअ०॥चंद्रलेहाकदेसांभलिबाबा॥बङ्गला
नरङ्गोमाघो॥मादरइकांमअबइराङ्गोघी॥तिणघीअम्हमंगाया॥ङ्गतेणीहरमककंकणीयाकं
वोङ्गालेआयालोलेरअ०कासमीरानेघणउरसीणी॥जन्नतरपेघाघोमा॥अराकीगेमाङ्गलकाबी
॥पोणीपंघाघोमलालरअ०॥मंसरहितमुषासादइसङ्गमा॥चौचौअंगुलकांम॥वामीशुवच
लेमनडीघीघासङ्गकोकेदेरांनलोलरअ०॥चंचलचपलत्वाफलानेजी॥वङ्गालायणसारासा
सुंदरवक्रगुणलक्षणसरीया॥वङ्गिनसगलेहासलालरअ०॥घणांदेसवनाघोमाआयाङ्गाति॥डुा
नीला॥केधवलाकेकालानीला॥केरातांकेपीलालालधअ०॥लीवीफालतरतोङ्गांचे॥पलमइकोस
पचासा॥चंद्रलेहासङ्गदेषीघोमा॥मनमेंलहीउल्लासलालरपअ०॥तेजातरलतुरंगमदेष्या॥अणठेमा

॥वङ्गलाष्ठरपदादासिमुकी॥तेजीतुरंगमंगाया॥१॥

2

दि

नराकोपडघालीमांहेनारिकक करसाञ्चारीसाङ्गिमजेपद्द॥लालादञ्चक०ड्दा॥निजघरञ्चरसरपोगा॥नव
नीपाईकेड॥तिहांकलिसक्तवेधाविया॥नरलञ्चरंममतेह॥१॥अञ्चश्ववतिदोञ्चकर्म॥करतानवनसीसार वी
॥चंडलेहदेषेनयण॥ यडवीगोषमकार२राजतयननीवडसदा॥त्रिकवचरबोहदा॥घाझानिदांकड
जै फरवत्र॥चत्रमाणेवत्रपद॥३॥चंदंदेहञ्चादेसघी॥जाइफेरा॥कंकाण॥राजापरजालाकते॥मि
रघरदादेहरांन॥४॥राजाघ्रठेकेहनाञ्चम्बस्वङकहापए॥चंदनसारमण॥ञ्चठे॥मंत्रकदेधरिनेह
पसगाह॥ढालएसिंधुनी॥ इणञ्चवसरकेवलकोइनलेसीपदनी॥ ऊकमकरीमुंकीबकीदार॥रा
यतेमायोचंदनसार॥नेटणीसुंकीपापलागड॥करजोमीकहेसुखञ्चागड॥१॥नरपतिदीवार
तनवधांन॥वजलोदीधोञ्चादरमांन॥वडसुषसानाञ्चमनडसेव॥सवकवडवसुदीवाड्ग॥
२॥वलिकहइदीवोजमदीदार॥सुफनडरवोश्रीकरतार॥जनमरापापगमायो॥महाराजउ
मघरणञ्चायो॥३॥वलिकहइकमवेमायोञ्चाज॥महाराजकरमावोकाज॥अस्वरतनसङ्ग
कवेवाडुं॥लागमधनपहिलामिएलीजे॥४॥केपरादसीघीवस्तुमंगावे॥दांनजगातघरचव
जघावेतेमालालीथेनिरधार॥लालपषडनजेवडव्यापार॥५॥लागनसहितगणीत्योदांमअ
श्वरतनअमनइदीधोञ्चांम॥इणदरबारञ्चन्यायनथाये॥राजनीतअमपहकप्रथेद॥चंदन
सारकरीमांन॥वलतोकरजोमीकहइञ्चांम॥तवनजोवनमांसुजुधार॥सादिवसिरपरिवा
रहजार॥६॥तोघोमानीकेहासुपास॥जीवञ्चमारवसाहिवपास॥महाराजसुजञ्चरजसुणीजे

×१२+ +५न+

पवडञ्चश्वरतनझ्यावीजइ॥७॥माहरीवुत्रीवडचंडलेहा॥तिणएत्रीयोमेगायानेहा॥अश्वदेवालेवानसुदाघड॥वीजो
कहइतवहिसुमापड॥८॥रायेंसाघदीयोकोटवाल॥इवीनइञ्चावोतनकालसेवसलांमकरीघरिञ्चावे
वत्रीनइसङ्गस्वरवसुणावे॥९॥चंडलेहाकहेसुणिकोटवाल॥अस्वमेंगायाअमेकरिवाष्याल॥वाङ्गि
नवेजुहणामेपक॥जांकीसुंतांपकसुळटेक॥१०॥रवीकोडुंकोईकहिस्योकाजसीसवढाईनेलेसुराज
॥महारीकहिजोवसुनइसलांमसंतोषीमुकोदेदांम॥११॥कोटवालकहीसङ्गवातनरपतिसुणवि
नावरवांन॥वलिमनमांहिविचारइएह॥फिरपाछोनरमुकइतेह॥१२॥आयकहेसुणिचंदनसार॥
जोञ्चददेवेचोनहीनोघार॥रवेतनीसघरीअमराज॥आपोरेवंनसंगमकाज॥१३॥नरपतिएमक
हावेजमनेमनमांनइतोदिवावोअमने॥सवञ्चुनातोलेञ्चादस॥सगलावस्वकीयालेपेस॥१४॥
जुहा॥कोटवालकेकांनसे॥आवीकीधजुहार॥महाराजसंगमतणीसवदीधानोषार॥१॥ अश्वीबस्व
संगमघव्यो॥अश्वीधराञ्चाधीनजामीलाघसव्याञ्चुर॥दरब्योमनराजांन॥२॥ जपरवाईरषीया
॥निञ्चणकलालेकारसीघावेसगलीकला॥दिनमाहेदोवार॥३॥लोनोदोराजालिवे॥घवाकतणा
मी पटाक॥कूंमीवाडेकाकराचावघतणाचटाकथञ्चरीकरेनाटिककरडलोवीदीधेफाल॥इलेध
णीवञ्चकारसाएमसीघावेचालप॥न्यामतिषायेनवनवी॥दाडदोकसनांनतीनटंकञ्चारती
करेडमणघकेकांञ्चदसघएफूलसुषमलतणीरेसमकोरीदोर॥रतीमांहेवोधीथे॥इणपरि
रहिकिसोर॥५॥पांसघरसनानेञ्चभ्यासातुतुरीसमवज्ञ॥धनधांधासङ्गरायना॥ख्याञ्चश्वञ्च 8

॥ तारक स्तार संसार सागर श्वकी पद्मनी ॥

सुरण समण्णढालएककहधाली॥ एकदिनचंदलेख्याति दांआपणा आवमीसाथ सकपतेमाया सघर सिरया वंदेस
बंसतोष॥ मिष्ट लाडूनकरी सकडीमाया॥ हिवसुतके आगलेवारता॥ मारी थेकवणपकीमकी धोय
वमइराय मी मांम पाहिरकरी॥ लोकमें थाप णो सुत सली थी २ हिव ० चंदलेखाकहे चउरसकसा तसो
माहरी कामहि वदेककाडे॥ हाव सो मी करी सक अक ताकहे मदिरकरिस्वा मिनीतेकदीजे ३ हिव॥
रती यइ डेरे वंत वइरायना॥ तस सत्तपाकना उर नल्यो वी॥ फालिहधीयार जे फूफकरिया जवड॥ तद
नडी वकंती गमामावीध हि ० माहनी कांमकेडे हने आज थी॥ तो माहरा कंकमामाय इचढा वो
आपघी रायनेकाव कुं आप संसूरवीरो उल्हस्य श्यावी प हि ०॥ वेगप धारउ जो मकर आणपरमाण
धरिस्रवी रास रुहा मस्राया आकरा अमलकरि सस्वठ आसधर॥ वमव हाथा गी था वेगथाया
हि ०॥ सीस परिठो पधरिको पकरिजा इने॥ दाव्र दाव्र सरूस मसा स्या॥ कटक हक्क वन्यो पाटपह
देपन्या॥ काटकट पाहरूद हास्या॥ हि ० ना हंस नक पनीदखिसा गासरू॥ तुव नीपा हता सह
श्वथा या॥ अश्वलेई करीडे तक मल्ला यरी॥ चंदलेखा घरे सुतट आवि ६ हि ०॥ दीयनो धककी
योसी मपिणवमकीयो॥ आपे देमे चित्रथालि आई वात सुणि दहके से व धरतीपन्यो॥ कांम
एकवणकी धीकवाई प हि ० दोहतांन अकरी पीनी गुलापन्यो वस्क देशी ती योरुदजा वइ॥ दा
घसुंफालिनइ सास नरिसां फलो॥ चंदलेखा तिहां सवआवइ ७ हि ०॥ वेटी कोटी करी बाप
पापनी॥ तानकी कोइफा कट्टवी हो॥ पकतिलसार पिणनयमहीरायमो॥ आप ते घरे आ

णं सदीहा॥ ८ हिव ०॥ रायते माविने कंकहेथांत णीतउदेनांमलेडी अमांरोउरतडे आविने राय समफाविसुं सुज
सले आविसंवाघ घारो॥ ९ हिव ०॥ पहवा वयण कहिमात संतोषी यो सेवमन मांदि अचरिज पावइ एतले स्नकत
रम्यवा दनी हुंबनी पाहत पासआथे॥ १० हिव ० धान धवलेदीदे रायता हरइ पहो वषता वाणी यइवीरवाद्या अ
रचड्चआवी असव सकलेगया कुमककरि कपटी थें कां मकोटा १ धहि ० केइ डीवा गया केइ घाड लभया॥
केइ दूरुकता षवि आया न्याय करिदाय उपाय करिडी वल्यो कहल्पादे षिकाया परया ११ पहि ० हा॥ नर
पति सुणिने की धी योधी सी चित हिम आगिकपी यो डांणे के शरी वे यो डांणे ना गर अरुण वकणघ
ईसुं कीया॥ वनी हार दाइचा रा॥ वहिला डाइ वो ल्लाइ ने ल्यावो चंदन सार॥ १ होनी आयाकंनीया॥ उर
केकी धीताव॥ वलिचंदन मल्ला डाकउ फातहे आप सताव॥ २ उर कतावादषी करी प नी षलत लीप
ट॥ आया ते संतोषीया॥ राय मिल्यो लेनेट॥ ३ सुणरिदास गुलाम अं॥ सुण मूरष सुणि हार॥ रायक
हे तें पापीया॥ किम मुकलीया किसो रघ॥ किसी कमति उकपनी॥ के रूठउ करतार॥ वासव
सो ने माहरइ॥ पजनक मिलीयात उधार॥ ४ इकरि पणांम चंदन कहि अरज सुणो महाराया॥ अ
स्वमली या मइसही॥ फेरसुं ताहरा पाय॥ ५ उत्री ली धा माहरी॥ चंडले हासुनो म॥ तउ मकत र
आपसी॥ तहीज वो स्वांमद सरश्श हालरर केमत वाली साकरी॥ कोइ आव तअमांरि केन इरे
अमने अमारी मामा रिसे॥ कोइ उमने दसी रामा र रकें ० पद्मनी॥ सेववयण हुवासुणी म
हिपति मनमांहि विमासेरे के दवी उड्ड ते कन्यका॥ जे अश्वले वइ थी पासे रे २ वेगउ लावावालि

वेगपधारो
गहि अथ ६
२
१

॥काईनयणेनिर षीजैरा जेहेदवो कारिजा करइ तेहनेतेहवो फलदीजैरे॥२वे० थाइ माइ बोला विनेकहे
चंदलेहा घरिजा वारेहा थममांहें ज्यो ग्रहेतेहनेते नहि दांल्या वीरे॥३वे० थाइ माइ थाईकहेकांईचंद
लेहा घरिआवेरे थाइ आवेती दधिनें बाईपाएलागी जाईरे॥४वे० बाई वलि दरवार जेउ कनेतू
पति चालावइरे वेसि सुषासणआपणी॥चंदलेह चली वहदा वइरेपाव० पलक मुलक आइषम
नीमर मारी केरा दजे तोरे षरी तेपीया लाजे गतमें सत्ते नेदषण अवंतोरेदवे०॥कसतनारी दो
सतीकांई आवइ उघाघइ मांथेर॥कचतदोहेलांफनी॥लिचमाजा॥इपदरणसाही दांघइ
रे॥वे० कचतनारि थवराचनी बालकनें मुंकीजा हेरे काचितडी नीगिरपनी दामारी चूनी फोटे
रे६वे० कावतदोहीनी कलइ॥ षीजैजोंग दिनतेरमाली रकाचतडाली जीमनाये ते मुंकी
मेषालीरे७वे०॥काविजालले आवती॥कंचो मुंह नोकरीजो वार वदन उठलुकी पहें पवे हुसक
नरस रिरोवेरे८वे०॥काचितमारी इसकहइ पर्नइरा जाततमे वेरे जलीदरबार मे॥करसी
जुली कउ काईरे९वे० सजमनमाहे चिंतवइ॥किमरहसी परमीलाजे तेरे कोतकी घ्या
साषघ्या॥कोतिकदेषवा काजेरे॥१०वे०॥सजप साधपरषरी इंद्राणी समवह सोहरे॥
आई जिहां दरबारेरे सुषासनथी कतरी जाणीथी मनोकवुकारेरे११वे०॥सदीया साध
परवरीइंद्राणी समवासाहेरे रूपइ मोहन वेल नी सहतर मनमाहे दइरे१२वे०॥नरपतन
पाएनमी सुवडवी बाचा नइ षोलइरे सिवी सीननी परि राजा षीति एहवो बोलेरे१३वे०॥इ०॥
+ आई जिहां दरबारो।सुषासनथी कतरी।जाणोथी जलिजैवकारो॥१२वे०॥ मसीया साथपरवरी॥ ✕ नारी+

कवि षणांम एहवो कहे॥चंदलेहातजिला जमाजीमूंकीमोएते किमतकाई राज॥१॥कोपकरी नरपति कहे रानाकरिशे
इनेएक ससिनें जें बांधई॥विषसम बोलेंघेण॥२॥सुं उकनेंथी सरगाई कीधी फरस्तनो विणचंदन सारनो कूण
षोवे घरस्त॥३॥दापकई कवीन वीलेवाकेंदनो राज आज कालितिणकारणे मांमाते एकाज॥४॥वाघाम
लघाडे नहीं॥हिरणें मिली हकार॥तिणजोणों बामादराफ बसीनहीं उघारपा॥वलकरिने नेबेतमालीया अश्व
अन्याय वीरविण स्यावे रविण॥मा दांघरि पन्याय॥हकोघर वादे कश लहेतो आंणी आपित्रषा शानलीध
रकिणकारणें तमुंजकहो विचार॥७॥अथवा दासनमादरेण आ प्यो षांहरी कालसा चककहे मुंज आगलें॥
नोधुसी सम लालिए॥चंदलेहामन चिंतवे रायनेसजकी मांनमांसो विणसीनहीं करतो रूलाफांन॥
॥एहीदापूछु तेरा बोलो ॥ (left margin: ॥एहीदापूछु बातनीद१)
था॥सरथधहालार॥मांदरालाल सुरंगो बालहा एहनी॥ चंदलेहाकहे सांतलो वचनमअ मारो राजलाल
वोरूली रहि सीसहा मानपिताथी लोजलालरे॥१॥ वेण विसारी बोलीये॥किमकुगलहीथइ सोह
लालरे लोकद समिंदा करेनकिमजी कोहलालर२॥वे०॥आलजगलमुष कादिनें कोकपोगे दीजी
तलालर मेथा पारी रावला न्याय्रे चालो सही वलालार३वे०॥सुंजोको भोममकी याकां विण सेघरस्त
नलाल लपनहीं का राजनी कांतजकोबहस्तत लालरे॥४वे० अश्व अमारो एसजलीधा मेंन्याय लो
लरे कां कंताकं नस्पा॥तोकांकलोइनजायलाल र५वे०॥अन्याय कारो नोस्वांमजी एघरअश्व
एदेहलालर न्यायेन आवे राजने अश्वली को यानेकेहलाल रे६वे०॥न्यायकि साज हिमांमि णी॥
मेपिण जाणोनें लजालर सुंउमनें वीसरगयो श्री मुषकी धी ऊंदलालरे॥७वे ॥मनें थविस

(right margin notes: कर॰ / फा॰ / ?मननमतोमा हिवमिल्पे ग इमोदापण, ने मलालरे॰ / 10)

मेपत्तो॥ सुंकहे कन्या बात लाल रहल करते मोने बतरे मन विला धीया लाल रहवे ॥ साच कहो हिव कन्या कां कि
स्पा की यां मन्या यत ला रा॥ आछा बीवर स पन रतन कां बात कछु मदा राय लाल रद्यथे मली या चल घी
आवी या सु कसु कणी सुनको छला लरे पत्रही यो घवा पने श्री सुषन्याये सा इ लाल र॥१०वे॥ मांने नहीं तो
इछिल्या ए सुंहता परधी न लाल रन्यायलि षो छेद फतरे को दखा वो रांकी न लाल र॥११वे॥ वही यक दाई वा
वी या स्ववटा सु वटी न्याय लाल रवे टो आये वा पने इस्सो वी को न्यो मायत ला जरा॥१२वे॥ सा परी सहू
लो कने षिसो णोप मी रायलाल र वंडली हा कहे स्वांमकी हि वे अस्त अमारा मायलाल र॥१३वे॥ सनाइ
सुरूके बाल कां डो ना मव लोडो ॥ लाल र फाल चू कोकि मवो न रो निम स्तोरा य विरे लाल र॥१४वे॥ वंडले द
खलती कहे पधो मा एगे दलाल न्या यें आवे राज मे तो ली को हिवते रह लाल र॥१५वे॥ राजा मन लाड़ो घ
लु कि रपा छमे न ला वा ला य ला लरके वो पिण डो वेन दी कविमदि लमें काय लाल र॥१६वे॥ ए विचा ०॥
॥ इहा म विक हे स्रुत्री सुणो॥ ते कि मझांणी बात रा॥ कुमर दई निम स कल्क ही सोत लि स कु ए हर यात लाल र
॥१७॥ बंडले हा कोक यवरी तजिन धर्म प्रमाद रे एम कहे न रस मल्लू स द्यानो राय वतां स्योनाद र॥१८वे॥ स
प्रले ई आवी या॥ ह रप्पा सारू ण से ण लाल रेलोक सहू धन र कहे तत्री नदी ए रे ण लाल र॥१९वे॥
वंडले द अनि सुंप सुंक रे सामा इक सुंद क्रिन वरनी प्र जाक रे ता लेपंथ विरुद्ध॥२०॥ दोन तुल्प न पक
पक रे आव स्पक दोइ वार सील धर इ पोस हक रइ॥ जि ण धी कैनि स्तार॥२१॥ सह हद हाल र॥ जे तोम
रो जीत मरे गुरु रा न र त एह मी॥ महि पति षे वो रे म हि ल मइ॥ दिन मा हे धर रे ब्रे दा दके धूत्या मा ने इ

रेधूतारही॥ सकु मेग मा ई मा सरी सो रके॥१॥ नरपति मन मांहे चिंतवे मुंकी रथ णारे नी सास के ए एक रता रे सुंकी यो
घर आटो कुण द्रास के॥ इन ०॥ काई र विचारी काई रूई विसो परप नी यो सो नो गेह के देषा ३ अवली कर णी देख
नी किण रे को एण्ठे कस एह के अन ०॥ यतः आप मी मुखे घाय घणी सुं गल्लु घटमे पिण कोदा अल्लाह सेय
सि राड़ सवि खुं॥ देखो शृंग हकी यो ही सी बालिका पंच मे पाही मो री लाक के जो नो मुंदमो कि मर देषा वि
सुं॥ बिा डी वो मारी र वे का कु के॥४॥ न ०॥ यतः पांण गयां को पति रहे॥ रहे जो ण पति जाय रधि गडी वा
उण ववर घकी कहे म ह म्मद सा हरवन:॥ मंदिर मा बतणो हम्म आन कत रत इ म ण स ते वा स चर वि णा स्वा य
क पर विण वो चक्रता॥५॥ देव को विवरा हमो ननी तो ए सुंपे सुं धर ण म का र के अंग कु द्रण अवनी पति
गंडी यो नो न क ही सी कपट ना रि के॥ एन ०॥ इन र तो मंत्री आयी यो दी यो ए सो म्न मो सुंह के॥ गल ह
घदी ये अंग ण वो त र ह कु ल त री ह्र ग भी ची सुंह क इ॥ इन ०॥ इ ण परि अवनी प ता दि ष न इ चरण नम
सुंह तो कहे आ म के॥ धरी मे धीर कु मा ड्रा रा कु वी॥ वलेय बाध सी पांद र रीमां म क इ॥७॥ न ०॥ मंत्री कहे म इ त
रवो ना पा ली या परि लो इ म दा रा कु क इ॥ अन्या यन की के प्रसु एह व क की जो ता ए विण वो ज्ञ मन कोज
के॥ इन ०॥ हिव पव ता वा की या सपंकु व इ पा ब ली वा ही तातां लो ग इ स्व के॥ विन घ को पकु र गत नर
न चिंदी ये ग र खा ग यो कु गा ड न सं के ण म ०॥ नर पति कहे इ सुण मंत्री बात एक न्या को ण क इ म
कि मा ही ने स य ल क या क ही सुंह तइ वे घा लि हा व दी ज म के॥ ए म न ०॥ कि ण ही क दा य त पा य घी
कि यो फिर आवे के कोन के सचिव कहे इ पर ण ता हे॥ ना रि नेतो हरी आवइ रातो न क इ॥ १२न ०॥
*कवि+

लेखेडु

पङ्कनककमीजी
कामनीवही

॥इस सघरीवातकहीमविचखेजतेनडपासमांगीआवीकमकादिसुंखकसाबासा॥१॥सविचकदेजईमघनइकम
नादरीपदपरणावीमहाराजनइ।किमदिववाधइनेह॥२॥सिखवीकमकाआइसमाईकीधंप्रीफलंबीमंत्रवध
ईसीध॥म॥२८२ठालध॥सोहजानीकानिमेंजासीयरबोलावंदावेनागणिकनोजीदेफलफोफलपानहठन
३॥सघरीमीसादासोजोड्कनोजी॥किमजवैकोहकल्याण॥१॥फलदश्नारसरजमरीफलहनीजी।प
रणेलापनिधानसरसीयजोमीदारहिनी।अखदहावकंनणीजीखइरोदिलजिमजाण॥२॥ल
गनजुमालीदाजासीकहइएलालाजीबक्रीनसमलेदोषहरषिनश्रोहासालनिराकवीजीसुकौ
विशसंतोष॥३॥सवजीरपहनाहामंदरआपणीजोजात्योपालनकामवांनेयश्वदाइदेकमरी
जीमेंनजनरहजीघरखेसेठजीदाम॥४॥गलपनिरघापोरोघणगरगाटस्तुंजीवरनोलाक
दंता॥पचरंगसोदेहेसघरो।माटनमाहदाजीकनककलसलकंता॥५॥ववरीयरवांधीदोसघरीचु
पसुजीकनककलशदस्यावेस।तिलकानइरनारणसोहिकंचीवदषिनेजी॥कमसाकरइयपु
संस॥६॥वणितुणिचटीयोदिवसुधाभिपणौतिस्पजीमस्तकमुगटधराउ॥जोनचढीठेरहोसव
लीअतिचाहवरहजीपुरनरी।जीसानेघाउ॥७॥स्त्रबगावइदेसघरइसादेसादलीजी॥
तोरणआविघटनमासूअश्नरनइसोवनमिनीयांआवीनइवधंत॥८॥आरतिकरनइ
दोकाधोटीकोकपराजी॥वेटेअक्तलेइआ॥गश्वलियाहामहाराजचवरीयेजी॥सिराव
लोमरदेइ॥९॥चवरीयआवीदोवेश्रेगठपतिगुणलसोजीकोरजमलपहिराया॥वणउ
माजी

आवीयो

पञ्ज कैचीकप
नी

मिश्राईदोलनीवधीकधीजु॥ वेदमहाधर्मनायरा॥१०॥वेदनणिवेदोधावमणवेगञ्जामलंसीदाघसुंहोमकरंतफेरानेलीक्ष
दोवाक्षमंगलवरतीयाजीमोरीफरीमावतम॥११॥समुक्तावणीदाघीघामाञ्जपीयाजीसोनहरीमापिनदेवमलवहाम
गलेसेघरुसलीयाजीवारुरमघवधन॥१२॥गीतोगावंनीदामुक्तामामणिमंदिरजी॥लाहालाहादाइमसजमारी
सोदीधाकोधाविजुदिसेंजी॥मिहावधाटरधनदाइ॥१३॥गादाने२दाल्दोष्टवादलीइमासीसामणिकनरदइ।
राजामिरनावडदेकांप्रणिकेरोष्ठनीयाजी॥नदिवाहीवांनकरइ॥१४॥इदाध॥राजामनमदादीयोकटिनजु
णांखवान॥हसनारमनाखोलनागईयनजाणीवानि॥गाडणआडकगावीयागाडरागविलामाक्षामणक
रीलेसघीआवीकसीपास॥१दानणमजनामामनकरि॥पदिस्यात्त्पणवेसनवरनघाटिकादघतोडणप
रिरहनरस॥३चहसमजदीमेवजीवालावेषांणानजांईसारागांममेदेईआवांमान॥४॥सज्जनीम
डोमिवघरिआवीवालगोपाल॥इमस्तुणछोनीदहदिसइ॥कुहिआयानकाल॥५॥असणपा
णघादिमवठी।स्वादिमविविधप्रकार।घालकचोजावाटका।करिसामग्रीसार॥६॥सेठआवीनन्प
कैने।कनोकरीजुहार।वालोधमुनोकणसली॥तनीमजुपरवार।सिठलेआयारायनइ।घरमइ
लीयावधाइ॥जीमणरातेनाफिस्यामजनरजसाआइ॥७॥सजु७४॥दालप॥जंतरीनातइसोखवरा
गे॥ एषीमाहदापंचरंग।मजकौदरप्पा।निजअंगमाम्हावलिसघराआसण।तिंवसरतांकि
सीयविमासण॥॥श्रीगइमांमावाजोवत्रिवाया।कुपरिघालकवीजासुंकीया।गंगोदकलेईआ
या॥घालीहामपवित्रकराया॥२अमजनकरिवजनरवेगा।ह्रिवपरुसणहारीपेगा॥नरिल्यायासव

बीजेदिनबी
नीआईइहनौ

दीवाब॥पदूसै केलाली ओंवा॥ अपदूम्या वलिडाघनैपि सतासक कौनरडी मेंद सताष रिकसे वोछ्रसां
णी॥ अघरोटचाराली ओणी॥४॥ पदूमइ सघरा घूनघूरघू रा सतीडी मे इरनी घूपाटा नै वलि मीवा पदू
स्पाडेकचईनदीवा॥५॥ गोरीगावडवडवी गाली नउपिण मुंकैनदी घाली जिम१ अतिसवणादीके॥ ति
मवरसनोडनकोळडइ॥ गरदाडीमइसाझेनी दही केंडोरा वरडूनी गलकडगलैगलकापाका॥ जि
लआगडमिग्याईषाक॥७॥ आणीफीली सघरा सावृ॥ तिणऊपरदीधी तोघषाड़ा ताडा आणीकुडा॥
इरासाहित लेधामीडे॥८॥ स्वरकीलाडू नै पइफा आवंतादाठामइफा॥ विधमड आणड सघरानी मण
किणघी डीमे विमणी डीमण॥९॥ डेदपाकनैवालअडालवी॥ लावडनही पिणमीफादे वी॥ ले
ईआयाकेईमगदआवोदी समालनगद॥१०॥ विचमड पीवनने पाणी साचरणी आपे आणी॥ सवा
कैलोमा पीराघै सडकौ नरधनधनसाषे॥११॥ पदूस तानरदे निटकदैवो फोनरीया पेठ॥ पदूस
नाहे करअदा॥ तापिणमुंकैले माफा१२ हिव आवेन वनवी दालऊपरि वलि सुरदी सालसुरदी
घीलै पदूसीडे॥ विध२ मालणामुंकीडे॥१३॥ आइबम काईस्साडी डीमंतासदूइआराडी॥ मिरीयां
नोचसचमडोर॥ रातानाखूओभारथ॥ इथसाकरसरीया वाटकडीमांऊपरपीजेगाटक
सदूऊपरि पदूसैदही॥ हिवचंदूअकरावीसदी१५॥ सुरदेकूलचलूअकराया॥ फोफालवंग
लेआया॥ सोपारीवीफापान॥ आप्पांदरप्पारायराणा१६॥ सदूकानैपदिरावीवेसाघरपऊपै
दीया आदेसकसराया वोटणाकीधा॥ सगलेषोकेनसलीधा॥१७॥ कीया आरमकारमषास

॥कवामीतरिमुंकैकूलवासअवघटोमेरीकूआनै रैतागलिग्यासाहूआ॥१८॥ इथरमिभेदारावोमीडेदौरावैफणा॥
नमाईडे॥ इतरइकदीघरनरमी ढालसडकौवडवाखसीयाल॥१९इहा॥ पहिरावणी सघरी दी दैराडीकर
णमेरेसतरलडंरंग समकदीयानवरलूषणवेश॥१॥ हंफवाई सोनानणी दी वीकंचनसारविधि२नावाग
दीयानदी आनरणे पार॥२॥ निडकमरीनै पिणदीया यदणावेसमडदारचदिलडसुघासणमालवक
सहीयांसाघउघार॥३॥ इणविकचारणनाटनैराथेदीधा दांनसिवडपिणसंतोषीया॥ दकंचनदेमांन
॥४॥ डेतनगारावाडीया सकमनमयोउछाहकेंअरीनैलेइकरीघरिआयानरनाह॥५॥ सानतांमिस्र २
वासमे॥ वडवापकणासेडाकपटीडोदीराकूवीडौचोस्रीमैंदेकूइ॥ स२१९॥ ढाल१६ मेरामनकाप्या
राको मिलैपदमीकाफेरागेरायकहैनारीसांसनोवानेछिलकरिमोसुंघेलीघाननारीसांसलो॥ मिपि
णसघरोकीयोउपायघरणीनेनांषीधसकासनारीसांसलो॥ मोरीवानदौकांनदेसांसलो॥ आंपा
स्तआएमाटीमांमलोटफा॥ नितोपाफीमोरीपंचमइलाकूलदखोसुक्षस्यौमइनोतोरोकाडना
ठेडणमंदिरमें तोनेवेसाथलेसुंआमीनीनचुणाथना०मोरीवा०डेनोकगफी॥ मारेमाघातहन २
फललहिदावाघाघना० अनपालीदेसीडंनडवीकेआंण॥ नडीमोनेतारारापडेपाणमा०डे
मा०॥ केंनककंहिवनाहरीसारामिनोमुंकीनोनडमाषेमारिना०॥ नाहरापटमेअकलहजा
रानिणडेलेज्योतारोकोमससारना०धमा०॥ एदवावयणसुणीविकराळ॥ चंडलेहावितै
नतकालना०॥ मांनेमुकीकेहाकरुंवेषासलाथी पीकफानोडकलासना०पमो०म्या॥ कदाकि

दीयागलै॥ मजमुंकीजिमांनडोल गिरीहापदरातांसुंवे क्रिमरांन॥ स्वैनः मायाक्रायनोडांएादि मांनमसुंके मां
न मांनविल्लणा नरक्रिकेसफीया पांनसमांन। चंदलेहा कहइ सुणन्नपालवानमइ एलिषी मुफलालरा
मसांसलो वलीयवलइ सइमा हराहीह॥ घत्र्यापानवषांणोडीहराय सांहमांऽयमः आसमनेहर
हीयाडांडो वैतांसी मनलीयवलैसेदीहमानाकंडा सेईमाखनः आपोघणुनमल्ली योपरनंदीय
नकोइ अडीयसलोवादीहमाकांडांणुंकांदीयर॥ माहरी वनिक्राडो वोहिवस्वांम॥ एमाकरिवुं
उरापे॥ कंकांमराणैराणै। निपटनमांनइलोपा एवे लि॥ दषिषिलावुंताने वक्रेलाषेल॥ गराणैमांणै
पहिली घालुंघारेकाडलनेंण। लाउमांनेमोरा साचावेणराण्डुलिरलोनेलगाकंपाय। तोडं त्रांणतां
योहायज्ञ पायराणैहमाणे॥ ताहरे सुरहेकहावुंरुलीम। ताउहमां निडयोमाहरीसलांमराणै पवे
यधोवासुंमाहरानापडपाया घसिरहा वासुंमहारायराणैष मातीणैचरणा चितलिवरावुनोहि
॥ लाउंडा एा चंदलेहाहो हिराणै श्रेवोडी मावुंमारोलोने ओहार। लाउंडोणमांनेमला रीनारि
राणैरणैमोणै॥ षाटमलोइ आवेताहरइ मी सनाहिक्रनरसी एमाहरीरीसराणै इनएलोपेकरावुं
काक्रनदिहोसीलोनेइ रहीलोडरणैरमोणै॥ सांनलि एदवाना रीवेणराये कीधराताने राना
रीसांणैवेमुरूपे सुंकराबेकांम॥ कंहिवणां नोरी पाकुंमोमनांणैरुमोणै आमीसुणाईरायेमीत
मारीवेसाणी माहेकरीयक्रपी नमांणैषफलनरी एसालमीहालनहरीरुई पिणवधीयोजेजा
लनाणैरुमोणैहरा॥ चंदलेहतिहांकणरहे। करेसामाइक निन्न॥ पासहपनकमणाकरे। निर

मलरुणीचित्त॥१॥ वइश्र्अहमदसमवलीएकंतरनितमेव। श्र्महाई श्रांबिलकरैध्यावेश्र्मरिहंतदेव॥ धरमकीयोसंकटट
लइ॥ धरमकीयांक्तसहोइ॥ धरकीयांश्र्फलापलै॥ धरमकरौसहकोइ॥३॥ क्रपरवाईबोलाविने। चंदले
हाकहेश्र्माम। महाराजप्रतिक्राइने॥ कहिज्योमुजपरनांम॥ ४ महाराजकोक्रकमद्यो। मेकीधोतपकेहाति
हणोक्रजमणोकरूं॥ वापतएांकेइहोइ॥५॥ सक्रकीनेआयहकरी॥ राजाहीयोआरांम॥ ऊइनेवहि
लाश्र्मावज्यो। इणपरिकहेनेरसा॥६॥ रायक्रकमपामीकरी। चंदलेहा हरषंत॥ श्र्ववेरलाधोश्र्मांपणो॥
वक्रलाघालकरंत॥७॥ सश्र्धएहालररागिंहामोनीघोहमोरवसाहिवामोनीघोडी एहनी॥ चंदलेहापि
श्र्मावइपिउमंदिर। हरषघणोधरतीहीयश्र्मंदर॥ मंदनीघरिश्र्माईहमोरइश्र्मंगजाघरिश्र्माई॥ मान
पितावइश्र्मावंतीदीठी॥ श्र्मतिनसमवफलागीमीठी॥ मोदनीघरिश्र्माईहमोरईश्र्मंगकाघरिश्र्माई॥
१ मानपितापयलागीधाईश्र्मम्मापीकमिलीयादेसाई॥ तलाइपधारीश्र्मंगणबाईमंणैश्र्मंणैटेक॥ बा
पइबेठीगोदबेसांणी॥ हीयक्रामेनीलीमीतांणीमंणै नयणतरीकहइसांनलिबाई॥ ३डपणीयईश्र्म
मकमाईमंणैश्र्मंणै १माणै ताहरोउषश्र्मनइनषमायो॥ रातसुतांनीदनश्र्मावेमंणैश्र्मंणै॥ पाधीपी
धीश्र्मंगनलागइ॥ उषीयोश्र्मंगक्रदेषीश्र्मागइमंणैश्र्मंणै ३माणै॥ चंदलेहाकहेहोसनघाहरी। घेलो
कीधोकहीयो॥ श्र्ममारोमंणैश्र्मंणैउषनीवातहायोहिवजावा॥ कहीयोश्र्ममारोकीजेबाबानेणै
३४माणै॥ कांमक्रवेतेकहोउमबाई॥ श्र्ममनेकरतांठीलनकाईमंणैश्र्मंणै हायउपायकलाकाईहा
षीएश्र्मापहइरइकरिनांपीमंणैश्र्मंणैमाप॥ तोसमश्र्मकलनणीधणीयांणी। मेइणजगमइक्राइ स

न डोणी नेऽ श्रं॥ दायवुधिवताईकारिझसारो॥ नरपति केरो नादहसारो मं ऽ श्रं ऽ हमा ऽ पहिलो तपक्कडमणो
करिसुं सो हमी सो हमणि नडनकतरसंपनं ऽ डीमावी परिहिरावुं उदारा पवे मलो स्युं सज्ज अलगा रानं ऽ ग
मा॥ वटीकसी तिमसेवडी की षो सोहमी संगो षीझसली षोनं ऽ सक्कडिन हरकई संकार साईवस्त्र पात्रमु
निनेवहिराई नेऽ हमा॥ वटी हिवकौ कांमकरोवलि॥ झिमवाली वीषरी आवेसलिनं ऽ तो सुषीयां अमृत
द्रस्तुषघासी॥ तो सेती सझ नो डुषडासी मं ऽ ल्यमा ऽ उ मघरषी सुरंग दिवावी माहरा मंदिर लगि पक्कचा
वोनं ऽ सुरंमहलवनकरावी एक॥ मणमहमंडपमांहि अनेकनं ऽ थंभा ऽ विचमहरकृतनजडितवर आंगण
देषीयकितरहे सुरनरगणमं ऽ सघरी झालीने फूलणगोष॥ तिहां कणि वेवा की डे कौषनं ऽ श्रं ऽ १२मा ऽ
सुरगतणो पवआ बुंझावुं॥ उम सुष देषी नेसुषपावुं नं ऽ आपोबलि सुरुकन्या पंचास डेद मेन्त्र स्यंन्तो के
असा सनं ऽ १३मा ऽ पवहादापो उदिमाहरा कांमचंदलेहा उडी कहे आंमनं ऽ पहवचण सुण बयो उ
सीयाल सेम कहे कर्कु सझनत कालनं ऽ श्रं ऽ १४मा ऽ सी षकरी उही घरिआयो॥ धरंकरंती दिवसग म
मांहे मति झसलकह इसतरमी चंदलेहनो हलीयो डंझाल नं ऽ श्रं ऽ मा ऽ अम्मो ऽ सलो ऽ मं ऽ श्रं ऽ
हझा॥ से षतिहां तिणअवसरै॥ कारीगर तेमाय सुरंग दिवावो घरवकी॥ उही घरपहुचाया॥ वि
चमहलवनकरावीयो॥ इंदभुवनसमउल्ला॥ कनक सिंहासनमांहीयोरतने जडितअमुल्ल॥१॥
२ बसीमर आणीदीया कन्या बालपंचास वाजित्र नृषणवेसवलि॥ सकल सजाई षास॥३॥ चोवा १४
चंदनअगरझा॥ सहरी घनसारहंनवाईसी वनतणी॥ षोलकसो लाफार॥४॥ उही ने आपी पिता॥

सकलसजाई मेलि विरमनकरिनेसांसलो चंदलेहा ताषेलपसउद्धे ८ढाल१७ साहिक्कदो केवागमइंदोडना रिंगपक्की
यालो अदेशो नारंगपक्की यालो एहनी॥ सहीयां सांवि परस्परी॥ चंदलेहा चलीयां लोदो चं ऽ॥ ह सतीरमती षेल
ती॥ मन्थ गलियांदी [illegible] मली मांलो अहो गपए॥ मंदिरमें आवीकरी॥ सनांन करी षालो अहो सयपदि स्यो च
रणा चीरलि॥ नयणे काजलदी षालो अहो मण३॥ कसमिसतो हरीयो कंचूओ॥ गलमोतिमहारालो अदे
गए॥ नकवेशर लटकै सली॥ मुषआशिमणुहारा लो अहो मुपउ॥ सोल श्रिंगार सझीकरी॥ सिंहास
नवे सहलो अहो सेण॥ चंदलेहा सझनझकदे॥ करो नाटिक केसडलो अहो कण४॥ करिवणां मसज्जसाझलेकरइ
नृपसुहारालो अथपम पदोंदो वाजीयामादलरणकारालो अहो मा०५ वमकरुगलावचे तालकपरितरु
णीलो अहोताए॥ तातत थेई [illegible] चंपकवरणी लो अहो मुण६॥ आलापचारी करिरागनी॥ गाव
ड़ गीतरसालालो अहो गाण॥ नवउदेसी दषालिने॥ फेरीदि फालालो अहो फे७॥ संषेसेरी तालकंस
लवेवाजइरणरणवीणालो अहो वाण८॥ सवधनाटिक रच्यो सुरनरमनलीणालो अहो सुण॥ नाटिक
सांसलिजागी यानरनसकै सोवालो आहानणकाणसुरसुणि दहदि सहनरलागा जोवा॥ लाअहो
नण९॥ कुंभलमिसिर विचंदमारहा नाटिक दषेलो आहारय सेषना गवेणीमिसा॥ वांनो रसापेष
लो अहो आण१०॥ नादड मोह्या आवीया सुरनरतजिनारीलो अहो सुण॥ नादेमोह्या मिरगलाआ 15
यावनचारीलो अहो आण॥११॥ फणमांमी हमी रह्या मागनादइकालालो अहो ना०॥ सजस्नेते पी
कंभोम्नेवोमी आयडवालालो आदा दामीप१२॥ नरपति नादइ माणीयो॥ जो वो कि हां नाटिकलो

अहो सीप॥ पचरिंनलासे ङीषतोनर आयानाटिकलौ अहो न२४॥ नरपतिनादेखो गीयो ढो बोकि सांनाटिकलौ अहो जोदे
कसुंकी करी नाटिकसुणे कांनडलौ अहो नाप॥ माहजवीणा ईंडरए कि हां वाङे मांनडलौ अहो किए॥४॥ नरनारी राजा
रिषड॥ विसमइं सकपरीयालौ अहो विषनारी वितनमो २५ सुरनर सकनमीयालौ अहो सुणे पइस॥ घमीयार निस
पाछली आवी रही क्रिवार बंदलेदा नाकमघी नाटकनछोतिवार॥॥ दिनप्रति उदे इदो आवि ढो करिस्यां नव
२५ालवातर घेकदनड कहो एमसी पाईवाल॥ २सीघमां क्रियकती घरे इनरइ रूओ प्रतानरनारी टोला मिली
घरि२नाटिकवात॥३॥ राय्यइं सतायेआवीयो मिलीया रांणीरांणनाटिकषवरनकापमइ सस्कोर स्यादइगंम
॥४स२७६ ढालए॥ किरमिरवर सेमस्फरोघड कोडली हो लालफर२षड कोडली॥ एहनी॥ रागसारंगम
रेहएढालपसिंघबड॥ वंदलेदाधरि तुंपपिताघरि आइनड ह्यलाल पिपदासीनइकदेल्पाक नगर सुदिज
रइमे हो लाजन ६दासी ङाईल्पाईषवस्त्रिरीसदी हो लालष६॥ चंदलेहा प्रतिआई कदे आगे रही होलाल
क६॥ सा रंनिगरमफारिनाटिकनी वाती होलालना६॥ राय आगे सकलो कक देउनाबता होलालक
६नरपति प्रछड्वात सत्तनर प्रतितिहां होलाल स६ नाटकरूओ जेरा तितिकोकोडाणो कि हां होला
लतिथा३॥ करि२णीमकहइ आमसत्तनरमांसणी होलाल स६ स्त्धापवरनकाय जोइ घानक था
घणी होलाल ङोस६॥ रायइद- सुंकपाकांममनाटिकमन मेवस्पा होलाल ना६॥ एह अ संतवधात
रूओ अघरिङ किसो होलाल रू६३॥ कांमकाङनर कोइनला गो बइ आडी होलाल न६॥ आजन
गरइणवात रूई एमातङी होलाल रू६ हरषी चित्रमफारकर चंदलेरा सुणी होलाल रू६॥ रूइकि

[margin, left:] लालफ्रोला री

+२ ...धणी+

सीवइवातङसीतो रिवघणी होलाल ङ६४॥ वीङइ दिवसइ विसेषनाटिक कीयो तामणी होलाल नाविडाम्पासक
मरनारि सुणइं धणी होलाल सु६ बोमी सेक्रनइ रेङ तवो निङमारिषी होलाल जत६ दिरणन णी हो परिफालसरी
सुधिकानमी होलाल स६॥ नाटिकमंम्पादोइ सलड .. नइक्र परइ होलाल त६ देषा देव संगीसङ वेसरू
चचरइ होलाल स६ किमइ ॥ मावइगीतगुणी तिमतिमवली होलाल गु६ हवे सी षड गीततांन सुमनर
ली होलाल तां६ डुषीयां राग डस्कसुषी सह मोहीया होलाल सु६ कांहीयो मइ चित्र सत्तनाहरलीया न+
होलाल स६ मन्यएनावी मीइ सत्तनरनारि नी होलाल स६ एह वीसु णीमनाटिकुवकितरूई हो डनी
लालव६॥ क्रलादघीनाटिकदिषाघहमुकनइ होलाल तो रतनक्र फितदेमंत्र चढा सुंउक नइ
होलाल घ६ षतलो तेल सिंडूर सचामनचादिसुं होलाल घ६ नाटिकदिषावे सुकरा ङा कहइग
इसुं होलाल ए६७॥ इमकरसां परसातमयो वलिङ सारा होलाल म६ न्हपानावी थो चित्रना
२ कसुं सुंसरो होलाल ना६॥ तिहीमंत्र प्रभोन प्रतप एह वे कहइ होलाल प६॥ राय चपाये सु
इकरी कासु विलहड़ होलाल क६ए॥ मंत्रतंत्र नांकाणातमावलाजो तिषी होलाल ते६ जोगी
डंगम सेषात मामूनी रिषी होलाल ते६ वेदसणइ ङे विद्यतितमी या होलाल वि६॥ लोपा
सरफा वो लाइनइ हो लाल वङ आदरीया होलाल कइव६२६ सुंजाणीङे एह नाटिकङ वइ
रातकी होलाल ना६ सत्त अकहइ कर जोम ङा णाइ प्रत्तवान मी हो लाल कां६ इमकदि गया निज
वीमघवरिनका पमी होलाल घ६ नरपतरइमनमां ह्विरूई चिमाणसवकी होलाल रू६२३हल॥

[margin, right:] न+ डनी
[margin, right:] क्रिम

16

॥श्री॥

॥एहवातदामीकहीवंदलेहाधनिहांडका। आकुविमणोधयो मोटीअवरिळमाड॥ नीडीचंडेदिवसवलिडणपरिता
टिकहोड॥ पाणपीणावहिरणादीसारीशासदकोड॥ कीडकदडपातालमडकगिरिसिषरआकासकेपुरघर।
केनगरमडनृत्यकवेकदडपासइ॥ केसुरकैविद्याधरकइअपछरकडदेवकंपरदांविद्याधरीनृत्यकरइनित
नव॥४४॥ वीणावाजइचयकूकिंनरनाकरता।दवनाटिककदडएनरनाटिकनविदंता॥५॥ कडवाककपाट
आषवरपकनदीकायसधीयवरडिकोकदडातल। दइलापत्रसायइ॥ तषत्रिषागईरायनी॥ददीपनीया
वीणाधिंनाचरनेकानकीनाटिकपीमनलीण॥६॥ वंदलेदपद्मानसुणिमनमडदरपतदोड॥ द्विजङिमन
रपतिनेरुलतिमसुणिस्यामकंकोइदसधादहालश्री॥ मासणदमनआयीनइअमंदरडगडपाकणा
रेलालपहनी॥ नृपअतिआकुलदंदपनडरकस्यापक्वलायारवरलीजागणि॥ क्षागिणिवसकरावीय
रंरजाजापाटीसघरपडाइरवरतालीक्षागिणि॥ नकूपवणारलीयांमणांरलाल॥ देषांआवदाय
रचपवयलतकनीचरितेवहीरेलाल।किणनीकलीअनहायरचरंदरुतु॥ मनकटापीकुनावनीरमा
वनमुनाकांनेरचैमसमवसाइमृहरेलालसिंदूरटीकीसुपमानरचं॥ कनककमेहलत
मनेरेजाव्याकनककत्रिसूलरचदमनडआमणपाटलीरलालअक्रतमालअन्पचर्ग॥ लयकु
नेकुमावनीरक्षागीपटाकनीयाकनावरचंकांधइवीणावीजणीरलालरतनमडचापनीपानेरचं
पक्वहलीव।रोनेनीकलीरवेनमवडपीक्षाडररचंपातसमडआडनगरमलालरतीकनकव
क्षायरचंदरूह॥ घरहरनेसेलाल्लआरेमरनारीकेरामाल्लरचंकपराकपरपाएपहेरलाल॥ चलवा

राग

नालपुरीय
नालीयाम
गौरीला
लि

१६

मल्हारवारचं॥ कू॥ पोपीसंदेशापहिरणे॥ कांधकलावोवेसरेचं प्रमेकोनीपातरेलालसकंकोकरइ
आदेसरचंदरू पोनवीदामुघपावतार।चावतोधीणावेगरचंनवनवारागआलापतीरलालफरती
पकलागरचंरू॥ कककगोरात्रिलोनमारककदगगासक्किरचंनाटिकनेदएलापसीरलाला॥
* आई * वोकरिबजमकिररचंतिरू॥ ककादडआकासबीरंकिकडेरपगटीपानालेरचंलागपावील्याथै १
आपणरलाला॥ दिवकामीसरुकालरनेपारू॥ मवामिग्राइपांनजयसरुभीमत्यामातरचं
॥विणाबीपडनदी।कुमोरेलालमुपकटमधुरीधानरचंररू॥ इणनगरीनाटिककवरलानेतुर
नीलाटाकांनेदरचं॥ दमस्यकाणाअवडरलालत्रमकाधणमनपदरचंउरू॥ ममतवालीको
गणीरअलषमनलवीकाकरहायरचंपलकमदमीनमुखनफिरंरेलालडलागमोरपायरत
॥अथवेमनमारुआइडलारदषणानगरीप्यालंरचंचालनदरवाएडकडरलाला॥ दपोगुर
सूपालरचं॥ धरू॥ श्रु॥ आगडवधाक्जोयारानानकदकाया॥ संगलाकधीक्षागणीआवड २+
छडमहाराया॥ कदनीवातनकावण।दीवोआयडदाय। अकलरूपछडकांगिणी।किणदाक
लीनक्षाय॥ २ डमरडआयकलीकरी।नाकांकरहेदमगतिरूपादपेककरीबावीनम्पानरिद
॥३॥ आणंदकीगणिकदमाताबोदीदार॥ दीमोधीराजाकदडा।रवनमुककरतार॥४॥ रयण
सिंहासणमांनीयोवडमाकपरदवि॥ सरवचम्पआरुमलाधीताहरीसव॥५॥ कांकमकरन
नोमानकीमंगावुपकवांना॥ दिवसंघेधसीहानकरांएनरचेराजांम॥६॥ करजोडीराजाकदानाटि

फकवेंकुरातनेदमीसेदकाणाश्वहेतामानकदोतवाने॥ उसमधदोलश॥ कांगीव्यारसकागीबातोगीया॥क
थीकलीयांननाकिअन्तनदीकलिलासीवनीमडमाकिंदसतांमतिलोकि॥ सुमाना॥ रुदमाकंदावअरहंारो

श्रीमलकुंले जमाना॥ वागकपारहुमांड॥ नवदमिनालीवाला॥ लागणसातलिडीमककाडडलोवधीककंवा
मिमधवरि नकोहतीनमुवनमडहाड॥ नंरमरमालनिवांनीव॥ अरहांदारारूमरसांतलिवानीवआकणीयनः
राते ॥रूदमयलांमवलीसावाचवेवयसतीयाकोवननेरुपणधनवलकरिवलनदवयद्या॥ ॥ नस्रदमकंका
कासंबाधूदमवइं॥ गडवांकीवइदवदनागिस्पुदमघनकरेदेसवीय॥ २मंजमरीसगातिनलोम
नदीज्ञमकदोनादिषाबुप्यालचंदस्रारिकंसाहिकडतेरेआंगआनुडनताल॥ उमं०करोतोमान
दी सकंकंपंषी॥ विप्रिडतोमायुंवाहा॥ सिंदुमराउसपालपडवकरीपेदरायुगजराकमनो॥ टमसुं
काबांनाददवान॥ त्रिभुवनवीचेकेटनेइजेनाटिकनणीसकवानककंसुणतिण॥ पनं०धरर
ननलेधरमिंददडसाहिबसकादवनकोदिवा॥ सदनारिंदसेवाकरडएकचरमरदेमितमेव
॥दनं० अमीयसमानीवोलवोनीडडानीतसुडांना॥ रूपकलागुनचातुरीसदादवमगतिको
षानउमं०ताकेदडपेवासमहीलीगु॥ नमनिषडलीयेनसुरअवरदंदिनपतडलाकंनिरष
वरेदोनेनदमं०तिनसबकघनमांदवनदेमाटिककलाडअस्पासदवदेवीसवदेपता दी
यडसाकिनदीपास॥ णमं०डानीआगडकरडनाटिका॥ दिनपतिमिलिकिसोड॥ दडकदड्यो
हमकंडनमाहिसहेलीदोडश॥मं०॥ डडानीकददसांतिलिसाहिबएकनदीधीआय॥ श्रीरक १०

कमकरमावदयोमालेकमीसघहाय॥मं० श्रीमवडीवकरीदेमेरी॥ मेरापोमडहुंकेदाघकायाबायाडयं
मिलीप्यांमोपकोसाघ॥ २मं०उदमकंकोमांगीनदडगीताप्युंगामेनीनविनाडयोदीनरारुकदेडहा
मीचलीरीसाड॥ ३मं०॥ किहांरदमांविषयादवधडलीजुक्यंरदीयतिणजामसरूयसहेली साघले
इंजाणीआईतारगांम॥ ४मं०॥ कंचनरयनमडसवमनीपाडआइरहीडहांदेवनवनवानाटिकरा
यदीतिमआगडकवडनितमव॥ ५मं०॥ नडंदमकंरयाहमआप्यानाटककेराप्यालमतिकरी
लकहदएकईसरीएकवीसमीदाल॥ ६मं०॥ दहा॥ राजाजीगणिआगलडकनोपाए लागिकरजो
डीमडडमकदडजेआईमुकलाग॥ मुकपसायडस्वांमिनीलाधीनाटिकगतिदनयणेनाटिकदर
षवामोमनरूडजमेद॥ उसेस्वामिनिकुलदेवनेजुमानासुविलास॥ नोविणजगणीगेरूतणीडणपरि
हरडआस॥ अपारघीयांपदिमेनहीनविमनरडआसकंसेवक भेराबलासफलीकरीअर
दास॥ ४ उफनेलेजाकंतिदांआपाकांणेमेद भफनद मुफनेनरणइषफगाकरीनसावदा॥ प॥
जीवकोपाकोआंममड॥ तनजेसाघवाल॥ बीनीराषीजफनडादेषाबुसकप्यालहु॥ मादसधरन
रपतिकदडमडजाल्पाउफपाय॥ जफकमम्रुफकारिसरड॥ सादिबकीनडमाय॥ ७ सुरद
रसनपालीनकड॥ वारमनाकीमुकप्यालदिषाद नहरेकंपकचाविमउक॥ ८॥ एकाकीपआ
विडीआधीरातडआडकंनेडास्पंतिहांकिणेउफनडसदीमहाराजु समधप३ालरश्वीमया
पनमोसोहमा मी॥ जाणिवाल्गादडगईमुनमांदेदरपोराघ्येरेकदिपापीदिनरउजवेनाटिकादछेतिहांजाय
तेपायजाभावनाविरमलीजावरे

रे॥ ढुमदेषी वरिनमारवणी॥ मारी धुतारी ढोलरे केकहिनो सुधदेसु नहीं॥ फिर चालै पाणै माडरे॥३३॥ दोहरो धुतारी धुते
रे ढोलकुं॥ पिल वतुरन धुसो णाइहद थाना रीधनड चतुरकुं॥ ए अचरिज वाली वानरा॥३४॥ दोहरो मारी नो मुरेधु
तसा मन मानकेहड मानतर गहिलत गुमी राजा॥ कैरो कहीं काल को नसुदा तरे॥३५॥ दोहरो माज थइ रवि आध
मो राजा मन श्रीया मरेहमती रमनी राजा गीणी॥ आइ वडडी राजा पास र ए॥३६॥ दोहरो राय कहइ वहिला
हथी को गणिकहइ समलवड णर हादर भादवर जो सम्म मति निकसो कोवाद र रइ णार॥३७॥ दोहरो
हेरो मास तलि मरु ऊाइ वड वातिकु निरुगद र मान पाटा औषधो धीया पहिनो दूगका जल तरह र॥३८॥
आधलि मजारार आंगुली ले चाली जोगणि राध्ये रे सेठ गद मइ थई मांहे गया पणइ राय ने वड माध्य
रे॥३९॥ दोहरो पाटाइ रिषी यां घ का राय दिषइ नव यौवन रे मणि लम में सुवन वाणी मनी अपछर सम
न वरबाल र॥४०॥ सिंहासण वइसी धकी वेइ लल दी गीमेणारे वत्र चामर व सनम ण करीइं रांणी स
पइ अइ णर॥४१॥ दोहरो राजा आयो जोगिणइ मो मानि तंमूल वत्री सरे॥ दिगवषी सरमन मोदी
यो जोगणि नइ दिआसो सर॥४२॥ जोगणि आई रही वइलेही की यो आदसरे छदे सा चुकी ते
दुलवइ समनइ॥ फिर आया दसर॥४३॥ दोहरो हां थी हो इ पाला कुं॥ द धीप कृती स्वर्ग नोगरे
आवती आई भित लो कमइ नवर केइ ष्पाल वि लोकरे॥४४॥ दोहरो गंध आवइ मो नइ नरतणी॥
मुंके आई ल्याई सा घर जोगति के कं ल्याई नहीं॥ नतु ल्याव मुपाट दू दा वरे॥४५॥ दोहरो पाट दा बजु
लावइ नहीं॥ नर नी भूतारी रे दार॥ करि जो धकती घग जा लितइ॥ तोइ का हे करु सेत्र षेम रे॥४६॥

जसी

२५

॥

रहि आये

॥ दहा॥ गवसु णीपं वारता॥ धुसकी वमीयो पहसरहरधु डोलयकरी मरण आयो डसां नेट॥ जोगणिकहै सो नमांनी यो
जलाम माई रायकनौ रहड मा हरी डसाकणि मां म॥४७॥ यन जोगुराषक नो रहे मुषपाणी महाराकुराष णहार
औरको कहे भइ डसइंट राजा॥ जमदीयो विवमाहे पनी जोगणिकहै कर जोग साचक कुं हिवमानजी डण
अपराध॥ धी जोगिक चनकुर नो राजी यो डलतिनाम नरिंदमुक साबडने स्याधीयो फरसमपय अरविंद
॥४८॥ सराण आयां मानजी॥ मारी कुं कहां कैम पायल गांवा महि एकरि जो कुं पड ए॥ सधाउ॥ हालउ॥ घ
रिआव मकी सांवत्र मगरीत्र एहनी॥ हिवबंड लेहा आदमघा॥ जोगणितिहिं आई राजा नो॥ हदो चरमी
विचिसिरादड नइ पायतागत्र नजिनिरुमा नो॥॥ हिवदे षो जी जोरा का करइ टेक॥ घता महिरकरा मी
कपराकं तो घांहर स अठे ध्यगुलामो कंकम काथा नूपक वीयो आगइ कसो करीय पणा मा॥ हिवि॥
मारी आकदि सा जोगी सती फारी काली चंड लल लक हड पाया धवे कि हां गई नारा॥४९॥ जोग
णिकहै सो ल्या कंपाव सु॥ लिष धारी॥ घ्रम कि मपायन॥ घस क कम सुनइ कंठाव सुं करराजा मीक
नोकहइ राय सुपा॥५०॥ फाम सो तेला धावा जो गणिकहइ॥ पावस घाम ऊ मगाना॥ राय पुछी अब को
घ मिठा ओ वेवी सरगई अस्व वाता हा॥५१॥ लइ सिर मुंकु कं नाद रोड मक दीयो करे सकरी
सातहि कुन र आरती या पुसी तीरघ मुंका व सीसो॥५२॥ जोगणिकहै पवतो त्रघमसीचर
णाभित ल्या महाराया॥ पछे आव सकूनइ वेचिनइ॥ चरणा भित माहे जायाउ॥५३॥ इमसी
नलि राय धसी घ को पर णाभित लेका ल्या पा मो करइ कगसां जिम जक करो॥ लइ आकरे तिमरा
॥ सकेलइ महीयां मरु मिली॥ जाइदेवी सुरत मफारो॥

जोगी
भल

गापिक
मोरी आजरिम
नाणा
कनजे...
...
रसमदचारान
लोका
नविनका ना॥
२८॥
मंकेसह-

४

१८

॥ चंदलेहा कहै छै ज्यु मोरडा हीराय फटिक घाली पाथे पवैकरीय प्रणाम करि कमल सकी॥ अत्र गोरडई बं
बराऱ्यां॥ छंद॥४॥ दपो अब सर लेहनड ओ पद्मां नारी कुणछ॥ ता चन चावरि विखि ओ गदना रा
पतिलहै अधनारी चरित्र न पावइ॥४॥ छंद॥ ड नर इ र सवनी आई सती पाया ला लाह्न मुख्का स्वीमा
लसावधु घिरतस्या साल मा॥ ता कुन नक रा बइ मा देवो॥४॥ छंद॥ मरुपांति वइ सी मुष आगल पडु मी
दीयालरि२ घाला चंदलेहा पिण एक पालाला सरूप चडतोडी मडुनतकाता॥ ७॥ छंद॥ चंदलेहा
कहै छै ओ॥ रा गी॥ विइठी डी मै मही कमत राजान ड त्रिलडीमाड पांडी भीजा यड करा
कम एमा॥४॥ छंद॥ चंदलेहा कहै छै वी मरी॥ अवी दीयो पीना ना घाला सावासद वाड्या ग लि
लणी राजा नु श्री ओसीया लो॥ ॥ ६॥ छंद॥ दुहा रा कमणी पर राजवी आवी जी मड अन सरस्व
ती न मे पाया आपा मान धना॥ ९॥ चंदलेहा लाजन करी सजस पीया परवार॥ सिंघासन बीकरा नै
ड्यो सवन मजा र२ रोग ति आई राया पूरण मानर पनपाय मामन वंछित सकफल्या नु रूप
सा ड माय ३॥ एकदा सभेष कन गांव री करि दिवदेवि मान स तु रूप पगार नौजी मुनां नित सेव
१ कन्याचर ॥४॥ जस कि सी ज्ञान ति कहै एक कन्या परण्याय क सत्य पिमामानणी पढे घर एप रुवाय
नमाकरी ॥ पसधप ३ तालर धमयामा ते दृष्टि ली ओण मिला यप हनी॥ एक कन्या आपिन दीर निज
नाल वेगे मीकनानु का जगदिलोदिवातिजाणी कहि किं मप रणी वडु काज॥ नार सर सातलि मा
राबड लचिनमडु मनि धरइ मत्र अविण नठे दका॥ दो वरणि विचि सी सदे देहा बकाल्या
...कोम न गत्र दूप नाअआंतु होजी मुठुवेकरनोन ०

पायएकारि कउक घी सरइ करि कीई दाय नृपाय॥ १२०॥ कोम अंधरा कापयौरि लहु अरकरपद रारलाडु मांतत
ज्ञिवलविलेद पाएं एकां मविकार॥ १३०॥ यनः॥ हरहरि वनराणणचंद सूरड दायना केदवामारा नकिं
करना करन धिहा विमयानएहा॥ उनः॥ सीता अग अनंत कको फिरजाय फेरु॥ तिण वेला दरीया वा
कुंमन कूलमा कां॥ उनः हरनथा सिरि गंधरि॥ मापी संग मुरारि॥ मात इ कान ना रि स्मु सुरनर मुनि
कनमालि॥ १॥ अनिष्या अरादषा कुकरीर॥ यो गणि टी धी बाजा लायड निणनांन ड करी॥ परणा
बसकरि रंग रालमन०१ चंदलेहा निहा काम गीर॥ आई हसनी पासा सा बासहा ना हरी अकल
नालें नरपति का धो दास॥ ५न०॥ मांग ड कन्या एकांत रे॥ आरती या वई आपा तिण यप रणा कर
वनड॥ पारड पानिक कन्या बापा॥ इन० एकसी बीसी पाय मड रा॥ पापी अपाणि पाट॥ गीवीवड
वी आंड नड॥ सुरूस दीयां करड पाट ०१न०॥ जोग णि आय कृतीर दीरे॥ डलल तिनां मन रिट
रूपड रति पति मारि पारिहु करि अजिनवंड दृ१०न० प्या गत्या गति कलेकार॥ वडु नरकलाड लेहार आपा
कारी राव लो॥ नरपति मांगे एकता रिएन० इदा णी द सिनै करे॥ एह नौ मन स्पाना मए डोह॥ एपावीय
रै चंदलेहा पीकी ओजु णकां मर०न०॥ तिहां रूपड राजवी रंज्या एपाए ना नद परणा नेएपापी
ण्या वलि फटिक दिपावड हव ११न० राजा मन ना रूपा घणुं रीझ्या ना सकं जोइ अडनै कहे पदे
वताया ही तिलसर बांनी नवाह १२न० पांतरता आया सदार मांण सपकन वारा॥ ति जाणीक
रि मुक्लै पाछा ना परणा॥ वो निरखा १३न० नाहरा किसु अचा नार सरि॥ लटी मे सुर राय॥ परमा

वी मुंकोघरे तो कमनें त्रफ्रकू सघाय ॥४५॥ बोलकोलनलेई करीरे योगणि घालो पाय राय कहे घरि मा हरे
रूपकर मीते घाय ॥४६॥ दूहा ॥ पकसी वीवोजा विमंडणी कहे एम परणीनरपति रहे पदमणि धरि वक्रोध
म ॥१॥ इंद्राणी कहे राय सुणि जोन इं तोपीका रवचननमान्यो एहनो त्रफम्हवीकरतार ॥२॥ आरमकारमसक्र
कीधा गेपीमाया गीत ॥ राज्ञा वरऐघा अपछरा अनरणधरता पी तिण ॥३॥ वमावागाने आनरणदी भाव क्रलाहाम
॥४॥ इंद्राणी आदि सदी अपक्रचाघा तिकरगे हकहे इंजो गकणफानेसीघाट जुलाई एह ॥५॥ स्त्रीकहे लेसी
काक्र आपीमाद रहमम्न कहएम कहदुमराराक्र ॥६॥ आंषपाहा वीधीया जोगणकाल्याहा घक्रिमम्र
ऐपानिममदरहपक्र वायोनरनाघ ॥७॥ सपाय ॥ ढाल ३४ घ ध्नमानी एहनी ॥ आंघपाहाघालीया मनमा
हेहक्रो हरिषतराय पायलागी नृपति कहहनडकी धीहे मुफमोटोउपगार ॥१॥ वक्षवडा हे अगण
माहपूहवहएहमी ॥ करजोडीहेक्रतोक्र पइहराय मनमान्या साफणमिल्या मोन्हे न्रहा हजाणिणिना दरा
पाय ॥१॥ न० ॥ दिवमाटि कम इदे मी धोवलि दवजुहे मइइंद्राणी हेरूपत्रफपमा थे अपछरवरी इमवो
लइहेआगलिकक्रनोहे रूप ॥२॥ व० ॥ वां मनणी करामाक्रमी जेघापजो रूजोगणि नाहरइपाइ ॥ नोपि
पिणजसो घलिनविहवं जोजीडेदेतासिको वक्रमाय ॥४ न० ॥ सेनाघी कदि जो गली एनारी हो आ
राधीहसी सुस्क विराधी विषवेलडइनिण नृपतिहोराघेएहनी रुस्क पव० ॥ पायलागी राणी क्र
हइपनक्राहूदुनइ मुफ परी हेप्यालयमानिसत्रफउपगारहो सीषी मागी हे जोगिणि घोनक जा
॥६व० ॥ मेक्रमा रारा जवी ॥ विक्रंपा से देवी वाकी धाहेच्यार व इंद्राण एक णसेजमी राय मो मे हेभन्यमो

कंमसुं ते हने सोभा को रथा सरवमा या॥

राय कहे पन्य योगिणि पार रीराधीमाम॥

नवअवतार ॥ ७७ ॥ वालि अप्रिन वालेमासोसलिमडहोमरपतिक्रवेसमसीयालसत्रुरयणि विनवोरी आगीनगावेदोको
णइकंवरसाल ॥ ८व० ॥ मनविक्रसेतनघजनमइणममवकहे नारी नहीं कासंसार रतेणे मनमइ वसीएनादीमु
णगणरम्मणसनार ॥व० ॥ लागइउदे त्र मुफमिली राय बोलहे हो कुंत्रफ वरणरादास ॥ महिरि करी मुफ क्र
परइ उं प्रस्वाहम्मामन वंछित आक्राठव० ॥ अवसरजाणी आपणेर सि वोली हे नारी वालजदारहि
वणो नेहधरा अवो ॥ वीक्रइ मिली या हावालो दस्या वी मारा ॥ १०व० ॥ राज्ञा वालहीयो निसंत्रफ रमता हे
कुंन विदोप ढह सागड मावापानो नाक्री जुहेना जेणि पानुपाद नेहं ॥ ११व० ॥ राय राणी तिनघोनि केम
व विलासा नेहा हिले मिलमनह उलास ॥ विरह ज्ञुफो चिरकाल नो हिवहिमरहालहिसी लील विलास ॥
१२व० ॥ दूहा ॥ वंछाल हाका रिजसमो वसि क्रीधोनरतार पतिक्रा पूरीपमी वपर्ण हार ॥१॥ नरपति म
नमहुवितवड कुंवकसागी राय ॥ मइं अपछर पर णलनी ॥ क्रामणि नणडु पसाय ॥२॥ करूं तानव२
कलैने करतो मवन वीवात ॥ हसतोर मनो घेले तोडमविलवइरातउ ॥ मनारत्नांवन करैतहो सारीरा
५३ नविहाय अनरती सर सीहि वन्नाकहीमत्ताय ॥ रागईर विक्रणीया वाल्यावक्र वाजित्रवद्दी जिनआ
वीकहइ विरुदावली विववेध ॥ गायणगीत अजोपी या ॥ लइरयक्रने नेतिन विना सतक्रि निडा तापा ध
णी धरतो मनतजो स्या ॥ पश्यालस्रृंगार मक्री करी पदमणि कसी पासदी सइवेइल हाजिमा रामार
प्ला वमा स ॥ ६ सपरधढाल २६ गिरधररुकमणन यणे निरषी रूप इरेला अपवरसरषी ॥१॥ सोमन
जो नारु कमन लीना रुकमन त्र्कमसु धारसमी मोए० ॥ राज्ञा मनविमासन घाघे वंडलेहसमरूप

जुद्धि

होरंगलो पर होरंग रलीया

नलसवहंती वे कमिली

रूपावीयौ॥ आदिवीजया मांननिकसीयैक्ष्णउण समवस्केसेजदीयै॥१४॥ हांरंगरजीदोरंगरलीयां कुलजनिर
यचंदलेहा मिलीयां आंकणी॥ किमर आव्या पठर मम्यौ निरषीतिमरदीयफोदेकेस्रस्येपरतिष चंदलेहा
समदीसि संदेहमदीडदो विसवावी सि१५हां० वोल्या बोल छकिके चंदलेहा तेसगलामेकी धातेहातोदी वीनदी
सही चंदलेहा इविषवर करूं अंतर किहा१६हां०॥ राजाइ जडइ मपीयारी मावकालीनइ मोहनगारीव
रिम अन्तरवदीसेदेषकारणकवणनकोणो१७हां० चंदलेहा नवइसिके बोलै पोणनाघकी अंत
राघालिमि अविमयकी ले महराजकुसाद्रवषमइयौ तउमे आक्रुपद्द१८हां०॥ उमसायरकी लहर दासा
मी मइडुकबीलरअंतरजोमी मोउ अधिकउजो मइकदीयो सोपडु विलसमइ जाणी रदीयो१९हां०
वातसतचंदलिहानासी॥ रायरासी मनमा हि विमासी। कोईया नारी नाहि कमतिक इसी बोलनी
मुंनिरयासी तिसी२०हां०॥ तुष करी अफमाद वमास्या नारी अपणउ काम समासी पेषता हरी अ
कलविजानउक आगल मइ मुंकी मांन२१हां० षमताहे इ अपराध षमी कोनारीकपरि महिरक
रोक्लिमइ उसपाय नकीजे पनदो गुनह तजो सब वातोवनहो२२हां०॥ कोजिण पीरा ताके विसेष
तनी अवगुण गुण करादषइ नाह रोवी कोनपीया काई वांकउ मांरअन्नपतिकहे दो२३हां०
॥ सासुजमाइ घलीया गलीया आपान्याइ षणसदटलीया॥ कवोपारी साष आवी पुम
तो मइमकं छिपलावो २४हां०॥ चंदलेहा पीहामइ सेगइ। निजघरमारग आइ रंगइ पाया लि
तनवनविलोकइ॥ मस्तक मुंहाणती रचलो के२५हां०॥ ते सगली तिहांकन्या वालावइ नरपति

नइ फिर अस्व रिषावइ॥ वरताली कोमल निलमाई आदरमांन दे२६पटराई॥ २६हां० तकसहीयां मे तूषणआपी
चंदलेहा पटराणी थापी॥ तिहां कमिरहीया विलसइ तोगाद्य मोगु एपतणा सेकोग१४हां० दोगंधकसु
रनी परतइ सुषविलसइ नितबधतइ मेहवाढीसमीढाल अंतरउलीया मतिकजाल वकं मनमिलीय
२१षइहांहां०॥ कषइ किनाटक षीतरसकवइ किपामासारकवइ किया कि लोलरसवे सिकहेलरती
राकवइ किका पैलेवागमइ कवइकिलवनपयालकवइ कि वीणावजाइ कइ गावइ गीतरसाय॥ १क
वइ किसामाइ ककरइकवइ किकडुंइदवापासद पकिकमणउ करइ। चंदलहा निताम व॥ उघ
लउ कालइ णपरगाया सुषविलसंतो अपार॥ हिवडिमसवसायरतरइ तसुणजो अधिकार॥ भइ
कदिन आवसमासस्या श्री अतयंकरसूरि पंचसयां परवारसे॥ दरसणपातिकहरि॥ पसाधसम
गमसासदो आव्या वंदनाकोक मुनि वंदी मन हरषी या किमर चंद रसणा कोक॥ दराय राणी वंदन न
णी आया मुनि वपासा पायलागी मुषआगलइ वइगा मनउलास उ॥ सपपदगा लामनदल चनलै
कोषनफिलरहीयो॥ होपाकसवीमण मुनिवर दइ धमदेसना। सुणतो लोअमीयसमानस
वपणा सहकोमन सुधसांसलउ॥ करिवउ कुतम अमोलन०भुं०हां०नइसदिष्टी तिलाद लेउ
नरसघला धर्मी सठधरम करण उद्धमकराकरणसुदइ पीवल०भुं०हां० तनधनजोबन कार
मी॥ विनसत लागइ न वार त० कारमा संगविचार कइ॥ मो नवज्रम मम महारि ल०उभुं०हां० मेलीमिरी
लौहाटसीवामसं०॥ ठिनविलसइ सुषसंपदा। सुपणाकेसो नि धान स०भुं०हां० रविराजिसर
वारके सो मान+ 22

काया

पाद्देवता॥ छदवबसस्तहवंतस्यहे लोकमां एसवापका॥ जिकेगारहडतीकरंतलहेपमुंहेदोहे॥ किहांषीथायाकि
हांछाडस्यो सेकरोविचित्रविचारतहे आगलिसेकुनपावरीधरमसंतजलेपोलारतहेमुंदोहे॥ विकथाच्यारेपरिहरोरे
पवश्रमादतहे कानेविसमनसेवीयेमकरोनिंदविचादतहे॥७मुंहेदोहे रागदोसदोटालीयइसमतालावधरइमहे
सगुमित्रसमवडगिणी सामाइकफलातमस्तहेढमुंहेदोहेदसइसमनवचकायानावारइइषणहोइसहे॥
वत्रीसइषणपरहरी सामाइककारोसइरवकोलहे॥ दोहेजीवतणीइसातजोवोलोसुधषीसावसहेपरधनमा
ट्हाडेमसुपरनारीमतिराचिरातहेहे मुंहेदोहेडविधपरिगहमोकीयो डविधधरीजइधमनहेआपोगह
परनेतन्नो॥जिमत्रुटेसकुकर्मसहे॥मुंहेदोहेकाचाकोरलडसाचउधरममतवोफिरहेलहतोनरतवदो
हिलोमोहतजिआपोवाहाडसहे॥१मुंहेदोहेमातघणीजलजेहवोगतहदोनरअवमारसहेत्र्यातअजलस्तन
सारषोजाननलागइवारतवीमणा१मुंहेदोहे॥ तंदोकितवीयणवदिसेस्त्रीसुतबंधवामायतायवदि
फंनसहेमनवचकमकरिजिनतणोधरमको।यामफिरमसहे१४मुंहेदोहेपरतवजाप्येएकलउ॥ चिहुं
गतिमांहेजीवनहेआपकीयाफललागवेजिणवरकहेहसदीलहे॥पाळहेजोसवनमताकसपालोबुद
ल्यादतवारतहेमुनिवरपंचसमाचरेजिमपामोसवपारतहेमुंहेदहोहेतस्यातरइनरसी जिके॥ त
जिनधरमपसादसहेवकुलसंसारीजीवडोचाहेजगतसवादतहे१७मुंहेदोहेविषमारइपा धो व
को॥विषयध्यावनोचित्तनहे जंम मरणवहलोदीयइ॥तिणवषयतजोउहनित्रतहे॥मुंहेदोहे॥
श्रीअसमंकरसूरिजीइणपरदीयोउपदेसतहेमनिकुसलहालवेरागहेलतसयहनकलेसतहे॥१८
गी
मुंडद्द

२२

॥ साधतणीदसणसुणीरायजीयाउसारमिथ्यामतिइरीकरइसफलघयोअवतार॥३॥ वंदजेसाकहेआक
षीपकसोमाडकनित्तलावनइंकरिस्पंसहीनिज आतमइनइहितरा॥ संसलेईगुरवंदनेआयानरपत
गेहश्रतसंतालेदिनइतनइगुरसुषलीधाजेद॥४वसयकाजनितपड़कमइसोमाइकलेदकरयणत
रलनपरइहरइअनंतकायअसइ॥५अवसरपोसहकवरइइकुइजिनवरदेवरायरांगुमनरंगस
भरमकरइनिममेवप॥ श्रावकनावतपालतांकरतांश्रीजिनधर्मकालगयोवकुकमककर्मावइले
हावईनर्मा॥६॥तोगकोमसरूतोगव्याश्रा अमझारनिरुंधकेवलचंडाजहालदइतसुणिज्योसव
धप॥ सप८हालश्दाकातनारइपिवाविहाण॥तनेवइरीहोइवइरीमारकटारीयांगलिआइलगु
णीताइ॥९॥ हेयांसांहरनइंएमारि सांहरनइएनमारियानीसाउरणइनमारियानीसाउरइण
नमारिएहनीरागकापीमाहे॥ इकदिनचंडलेहासामाईलइकरतांआपा आपागदपरकेतजे
करवांकेवलमेलापपारे॥॥ कीजइश्रीजिनधर्मकीजेश्रीजिनधर्मआणीकीजेश्रीजिनधर्मज्ञा
नीकीजेश्रीजिनधर्मरंगइकीजेश्रीजिनधर्मटेक॥धरमध्यानध्यावइदिलसूंधइरूंधइआश्रव
द्वारअस्पणउसवालेषवीकरइकमनणादलद्वारप्यार२श्रीहे॥इणअवसरएकवेतरीआई
चंडलेहाकोउसगा॥दषमिथ्यातनमोमीयामाटाकरिवानुपसगारेप्यारेकोहेइराषमसरूपरवा
वेकंचीकतीकालकस्तूएमस्तकनरअदानालीयातसुमालगलेविरूपप्यारे॥श्रीमोगदात
फालादोइकंमोरीवसारीषापायसाषकानीवीछावतीजीसउनिदलिकाटिअंगासूप्यारि॥पकीहे॥

इ स्त्रीजोगी
रीढाल

23

एकणहाषषहगाग्रथ्यामीराहुसकहेसुणिरेहपायलागमुझपापणीनहीतोमारकरुंसततेहप्यारिकी०६
कोणपावंहगहोतेरमीधरमनजांणइमेदधरमपापएमुझलागतो॥कांइसीसनषावइछेदप्यारिकी०७वंक॥
मनमांहिविचारइदेहअनंतीवारपामीकांमनकीमसोकइजिनधमचीनिस्तारप्यारएकी०८परूपरग
सरूपइकीभावूकीनहीतिलचिन्नचिन्नविचारइविनरीचीकउपरएहनादिन्नप्यारएकी०९नवषणवि
मचीमायारचीनइकीमोराकामरूपनापाषाआगवांधिनइषहगइपीमोकरेस्नूपप्यारा१०की०सुकनइपा
पीपरनारूसमारइकांनसोमावइनारितेनारीमुझमालहीस्त्रीनइवालोनरतारप्यारए११की०सामाइक।
पारीपायलागतो।जिमसुझवोजहइएहवइभावोदेषीकंतनइचेतोकांनसेकावनाप्देरप्यार१२की०॥चा
कलेहमनमांहविचारइमातपितास्त्रीकंतभेकिरतांकालअनीतमेएतोपाम्यावारअनंतप्यारेकी०१३॥
मातपितासुतवंधवदेहीधनमंदिरएपीछुघारइसाधनकाचलहइतोतोएमविचारइ॥कीतप्यारकी॥
१४॥आपणीवस्तुसंवादीनइराखुनहीतातुंकंनीममोहतणावलमाहसुझनोजोजीतुंतोसीमप्यारे
१५की०विषककत्रीणिबचटिकमषपायाआयजुउजलध्यानचहतेपरणामालह्योचेइलेहाकेवलमप्
मप्यारि१६की०हसा॥कनकसिघासनसुररचोवइतोश्रीवीतरागमायासचवरषितरीझरीपापीलागि
अवनीपतिआवीकरीमनसुधिलागइपायाकेवलकमलादषनइमकिनरासामहायो॥१॥जिनवर
देथ्रमदेसनाटालइनविसंदेहअनिपणीरषाफिनेकाहकारमसानिहउ॥मोहसवलसंगरमेमोह
करमसदारायो॥कीअनंतोडपसहेमोहतणाइसुपसायो॥ध॥ततनसोधनजोवनआतुध्यानहीकहेनव।

ह॥ आपणवसिकांलगिवहलीकहतांजगिलाह॥पत्तुदिफलतनुविचारणादेहीफलवृतधारछिणनरंफल
पादीया॥तिणपांम्योस्वपारह॥रायविचारेचत्रमइदीधोप्रतुउपदेस।मुझनेहिनसुषकारणइटालेणस
मलकलेस॥७मझसचसमतांएकलेसहीयाइस्कअनंत॥दिवमुझसवरघोइजोचरणसरणतगवंत॥
तालरथ्वीरवधांणीरांणीवलणाकी॥ वेकरजोडीराजाधीनवइकीमहिरकरीमहाराकमालणीसंज
मआपोसइहवइजीजलधसघतरणाछिहाज॥१॥गुणगायागरूआसाधनाजीरसननिकुकरणपवि
त्रश्रवणपवित्रसुणितोहहवइजीचारतीयानाचरित्र॥२गु०अरिदमीलेईआगन्याजीचत्रुरकरइसह
हवइलोचस्त्रीसुषइसंजमचरइजीकरवालवतणोइसंकोच॥३गु०संजमलेईसाघस्तुत
णइजीतद्यतकरयविहाररोगवअवमकरइसुपस्यजीहसमापषमासतउपारधगु०॥अणसण
केरिनइआराधनाजीचारमइसुरअवतारअनकमिमइनिरमलथईपामसइजीअविचलसु
रकअपचार४गु०वेदालेहाक्तविषरनइजीरविाकसतणीसमझायतारयाअतरलवकुलमकीजी॥ न
तुंकासिवकमीषपायहगु०॥कोईपरूचायासुराजोकमहजीकोहकहकअवतारकनइस
मकितआपीयोजीहमकीयावकजपगार७गु०॥विमलचयाविमलाचहचढीजइसंलेहणाकरमा
कवलीसुगतिकमलावरीजीअनंतसुषजिहांअवनासट८गु०॥चेइलेहाजिमचितधरइजीसामा
इककीयोसारइनममरणछिणढेद्याजीपांम्योभवतणापार९॥तिमजेहलचीयणहितध
रीजीसामाइककरोसुहनिरमलथईछिमनिसरोजीश्रमकहेजिमस्वयंत्रुधि।गु०१०देस्वत्र

24

श्रीः

महएस्रठइडीमरससंवंधरसालगुरुसुधंगुणमईयाङीविचविचेकवीयणपालं ११ समवतसिधिक
रमुतममसइडीवदिआसद सिमर विवार श्रीपचीयाचडमइश्रमसंइजीएदत्तणिअधिकार १६गु
षरतरगछपतिसुपकरुडीश्रीजिनचंदसुरंदा॥वकहिमवधतीमाघाषमडीडीजांभूरडीनीसदिण
द १३गुं०॥सुगणश्रीसुगुणकीरतिगणीजीवाचकपदवीधरंतअंतयवासीयतिरळयाडी।मतिव
लसमहता॥१६गुं०॥ ष्मतसुमीसअतिाप्रमस्पडीमतिङ्गसलकद्दहएमसामाडकमनसु
धकरसडीकृपवरोचंदलेसहकेमयगुं०रतनवल्लभगुरुसांनधइडीएकोयोत्रडमअभ्यासव
सयवीवीसमगाणश्रठडजीप्रगणत्रीसदानंदलास।दगुं०सणयरा णयसुणयला वसंतीगुरु
सत ञातणागुणजदं सुधजिनधमाकेकरडजी॥त्रिभुवनपतिङ्गीवेतद॥१७॥गुणगायागरूआसा
धनाजी॥ इतिश्रीसामाइकाधिकारचंडेलिदाचतुःपदीसमाप्ता॥ ग्रंथाग्रंथ५०६॥ श्रीरस्तु॥॥छ॥
॥संवत्१७५५वर्षेज्येष्ठसुदि२दिनेशुक्रवारेमहोपाध्यायश्रीसुमतिसिंधुरगणीनां॥शिष्यवाचनाचार्यश्रीकीर्तिविला
सगणीनांशिष्यपंडितध्यानधर्मगणिलिखीसत्ताचतुःपदीसाध्वीगुलाबसिरिजीशिष्यणीअमरसिरि।धर्मसिरियाच
नार्थं॥ शुभमस्तु॥ कल्याणमस्तु॥ श्रीरस्तु॥

२४